समाज विकास

स्थापित 1935

म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मई २०२५ • वर्ष ७६ • अंक ०५

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२५ मई, २०२५; अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा व्यवसाय और परिवारों में मारवाड़ी की सफलता के नए नियम विषय पर संगोष्ठी कोलकाता के जी डी बिड़ला सभागार में आयोजित हुआ। चित्र में परिलक्षित हैं - राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, मुख्य अतिथि सज्जन पटवारी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण नन्दलाल रूँगटा, पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वय पवन जालान, संजय गोयनका एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता।

इस अंक में

संपादकीय

- हमारा संस्कार-संस्कृति - हमारा ब्रांड

आपणी बात

- सम्मेलन-समाज समन्वय

रपट

- राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक
- संगोष्ठी
- सम्मेलन समाचार
  पूर्वांचल विद्यामंदिर में
  संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम

प्रांतीय समाचार

- मध्य प्रदेश, पश्चिम बंग, झारखंड
  छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्कल, तेलंगाना

विशेष पेज-१५

संस्कार-संस्कृति चेतना

- सम्मेलन पंचसूत्री कार्यक्रम
- परिवार के निर्णय में भागीदारी
  असल जीवन की तैयारी
- संतान को संस्कार कैसे सिखाया जाय?
  रामचरितमानस संस्कार

नए सदस्यों का स्वागत

बधाई!

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष

श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ मई २०२५ ◆ वर्ष ७६ ◆ अंक ५

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है**	३
● **संपादकीय :** हमारा संस्कार-संस्कृति - हमारा ब्रांड	४-५
● **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** सम्मेलन - समाज समन्वय	७
● **रपट**	
राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक	८
संगोष्ठी - सफलता का महत्वपूर्ण सूत्र-कृतज्ञता	९
व्यवसाय और परिवारों में मारवाड़ी की सफलता के नए नियम	१०-११
सम्मेलन समाचार	
पूर्वांचल विद्यामंदिर में संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम	१२-१३
राष्ट्रीय अध्यक्ष का उत्तर प्रदेश दौरा	१४
राष्ट्रीय अध्यक्ष का इंदौर एवं उज्जैन यात्रा	१९
विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**	
सम्मेलन पंच सूत्री कार्यक्रम	१५
परिवार के निर्णय में भागीदारी - असल जीवन की तैयारी	१६
संतान को संस्कार कैसे सिखाया जाय? रामचरितमानस संस्कार	१७
● **प्रांतीय समाचार** मध्य प्रदेश, पश्चिम बंग, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्कल, तेलंगाना	२०-२४
● **आलेख** 'पगां बायरी दौड़' – ओम प्रकाश भाटिया	२५,२८
नए सदस्यों का स्वागत	२९-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

आदरणीय शिव कुमार जी लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन, कोलकाता

सादर प्रणाम

आपने इंदौर शाखा की स्थापना कर सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज को एकता, समर्पण एवं सामाजिक सहयोग का एक सुखद अवसर प्रदान किया है। यह न केवल आपसी संवाद और समर्पण को बढ़ावा देने वाला कदम है, बल्कि समाज के लिए कुछ सार्थक करने की प्रेरणा भी देता हैं।

आपने श्री राजेश थरड़ जी को इंदौर शाखा का अध्यक्ष नियुक्त किया है, वह अत्यंत योग्य, कर्मठ एवं समाज सेवा के प्रति समर्पित व्यक्ति हैं। आपके इस चयन के लिए हार्दिक अभिनंदन।

कल का कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित, आकर्षक एवं भावनात्मक रूप से मार्मिक था। कार्यक्रम में समस्त पदाधिकारियों एवं आयोजकों की निष्ठा, परिश्रम और उत्तम समन्वय स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हुआ। आप सभी को इस अद्भुत आयोजन के लिए हार्दिक साधुवाद एवं शुभकामनाएं।

आपका यह प्रयास निश्चय ही समाज को नई दिशा, ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करेगा। सादर,

– **मनीष बाजोरिया,** इंदौर

शानदार कार्यक्रम

आज का पाटनी जी का कार्यक्रम उद्भूत था।
आपका ये प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है, सराहनीय है,
धन्यवाद आभार शुक्रिया।

– **केदार नाथ गुप्ता**
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

शानदार कार्यक्रम

आज का पाटनी जी का कार्यक्रम उद्भूत था। इस तरह के सकारात्मक कार्यक्रम का आयोजन सम्मेलन के उद्देश्यों की आधारशिला को मज़बूत बनाता है साथ ही नई ऊर्जा को दिशा देता हैं।

आपका ये प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है, सराहनीय हैं।

आप सभी को साधुवाद।

मैं अपनी पत्नी के साथ इस कार्यक्रम का लाभ ले सका इसके लिए हृदय की गहराइयों से आपका आभार।

आपके सार्थक प्रयास से सम्मेलन अपने उद्देश्य हित में, समाज हित में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें।

इन्ही शुभकामनाओं के साथ
धन्यवाद आभार शुक्रिया

– **संदीप मस्करा**

सम्मेलन पुस्तकालय

जैसा कि आप जानते हैं गत मार्च माह में सम्मेलन कार्यालय में पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया था। सभी पुस्तकों की सूची सम्मेलन कार्यालय में उपलब्ध है एवं ऑनलाइन भी देखा जा सकता है। इच्छुक पाठकों के लिए पुस्तकालय अपरान्ह ४.०० बजे से शाम ६.०० बजे तक खुला रहता है। धन्यवाद !

हमारी संस्कार-संस्कृति - हमारा ब्रांड

राजस्थान एवं आसपास के इलाकों में दो तीन शताब्दी पहले जीवन अत्यधिक कष्टप्रद था। विपरीत प्रकृति के कारण अक्सर फसले खराब हो जाती थी। साथ ही साथ औरंगजेब की मृत्यु के बाद मराठा और पिंडारियों की लूटपाट के कारण राजस्थान में व्यापारिक मार्ग सुरक्षित नहीं रहे। इसलिए वहां से लोगों को हटना पड़ा। एक कारण १८२० में देशी रियासतो एवं अंग्रेजों की संधि थी जिसके कारण वहाँ टैक्स की दर बढ़ाई गई और कोलकाता जैसे शहरों में व्यापार सुलभ कर दिया गया। देश के कोने-कोने में मारवाड़ी फैल गए। मारवाड़ी की खासियत थी कि उसे स्वयं एवं अपने परिश्रम पर विश्वास था। विकट परिस्थितियों का सामना उसे करना आता था। अगर दूध फट जाए तो रसगुल्ला बनाने की विधि में मारवाड़ी पारंगत थे। मारवाड़ी को समस्याओं से जूझना एवं अपनी जिजीविषा को मजबूत रखना आता था। मारवाड़ी के लिए कहा गया है कि:

कभी ना कहो कि दिन खराब है
समझ लो कि काटो से घिरे गुलाब हैं।

मारवाड़ी अहिंसक, शाकाहारी, मेहनती, सहनशील, समाज हित चिंतक हैं। वह सादगी पसंद समन्वय में विश्वास रखता हैं। मारवाड़ी के बारे में कहा जाता है कि वह

कमाई करें नीति से
खर्च करें रीति से
दान दे प्रीति से

उसके बारे में किंवदंतिया बन गई जिसमें कहा गया है कि-

चीते की चाल
बाज की नजर और
मारवाड़ी की अकल

की बराबरी नहीं। मारवाड़ी की ईमानदारी एवं व्यवसायिक बुद्धि इतनी प्रखर थी कि महाराजा रणजीत सिंह ने अमृतसर में ३२ प्रतिष्ठित व्यापारियों को बुलाकर व्यवसाय करने के लिए दुकान प्रदत्त किये। अमृतसर के बाजार में बत्ती अट्टान के नाम से वह क्षेत्र जाना जाता हैं।

इतिहास के पन्नों से पता चलता है कि मारवाड़ी समाज के व्यवसायियों ने तत्कालीन सत्ता पक्ष के विरुद्ध चलाए जाने वाले १८५७ के स्वतंत्रता आंदोलन में फांसी के फंदे को चुमा था। उनमें प्रमुख नाम है राम जी दास गुड़ीवाला का है। मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर को खुल्लम खुल्ला आर्थिक मदद (३ करोड़ रूपया) करने वाले गुड़ीवालाजी का खजाना जप्त कर उन्हें फांसी के फंदे पर झुला दिया। वे मूलतः हरियाणा से थे एवं दिल्ली के नगर सेठ थे। ग्वालियर में वहां के नामचीन व्यापारी सेठ अमरचंद बांठिया मूल रूप से बीकानेर से थे। उन्होंने अपना खजाना रानी लक्ष्मीबाई, नानासाहेब, तात्या टोपे को सौंप दिया। इसे राजद्रोह मानकर उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया गया। तात्या टोपे जब भागकर सीकर पहुंचे तो सेठ राम प्रकाश अग्रवाल ने गहने एवं धन देकर उनकी मदद की। सोलापुर के कृष्ण दास शारदा, सतारा के सेठ सेवाराम मोर, हरियाणा के लाला हुकुमचंद जी अपनी उग्र गतिविधियों के कारण फांसी पर झूला दिए गए। ऐसे अनेक लोगों के नाम है जिन्होंने उस संग्राम में संदेश समाचार पहुँचाना, संदेशवाहकों को आश्रय देना क्रांतिकारियों को अपने घर में छुपा के रखना जैसे कामों को अंजाम देते थे। १८९८ में कोलकाता में मारवाड़ी एसोसिएशन के नाम से एक संस्था बनी जिन्होंने घोषणा की कि - "राजनीति का संबंध व्यापार से रहता है और प्रत्यक्ष रूप से व्यापार प्रभावित करती है इसलिए मारवाड़ी संगठन राजनीति से परहेज नहीं रखेगी" ऐसे अन्य संस्थाओं, जिन में वैश्य सभा और बुद्धि वर्धिनी सभा प्रमुख थे, के जरिए युवा स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने लगे। नमक सत्याग्रह में मारवाड़ियों ने खुलकर भाग लिया। असहयोग आंदोलन की रीढ़ मारवाड़ी व्यापारी थे। तत्कालीन बंगाल सरकार के अधिकारी ए एच गजनवी ने वायसराय के प्रतिनिधि कनिंघम को २७ अगस्त १९३० को पत्र लिखा। इसमें कहा कि "महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से अगर मारवाड़ी व्यापारियों को अलग कर दिया जाए तो ९० फ़ीसदी आंदोलन खत्म हो जाएगा। "अखिल भारतीय मारवाड़ी अग्रवाल सभा के सन १९२६ में हुए सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए सेठ जमुनालाल बजाज ने आवाहन किया "अग्रवाल समाज ने आंदोलन में धन दिया, जेल भरे लेकिन अब समय आ गया है कि समाज का बच्चा-बच्चा देश के लिए बलिदान होने के लिए तैयार हो जाए।" मारवाड़ी सम्मेलन भागलपुर में आयोजित अधिवेशन में स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वालों मारवाड़ियो की प्रशंसा में प्रस्ताव पास किया। अनेक घटनाएं हैं पर स्थाना भाव के कारण उल्लेख नहीं किया जा रहा। यह धारणा गलत है कि मारवाड़ी धन उपार्जन के अलावा और कुछ नहीं किया। घनश्याम दास बिरला, जमुनालाल बजाज, डॉ. राम मनोहर लोहिया, हनुमान प्रसाद पोद्दार, बृजलाल बियानी, सिद्धराज डड्ढा, सीताराम सेक्सरिया कुछ ऐसे नाम है जो सर्वविदित है।

निष्ठा, ईमानदारी, मेहनत, नेटवर्किंग के जरिए मारवाड़ी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। कहावत है कि लोटा डोरी लेकर आते हैं और सेठ बन जाते हैं। उनकी खासियत रही कि जहां भी बसे वहां दूध में शक्कर की तरह मिलकर रहे। उन्होंने कभी अपनी पहचान, विशेषता नहीं खोई। वह अपनी ईमानदारी, रहन-सहन मितव्ययिता के लिए जाने गए एवं सभी पर अपनी छाप छोड़ी। मारवाड़ी आज ब्रांड बन गया हैं। मैं जगह-जगह पर जाता हूँ। इस सिलसिले में मारवाड़ी भोजनालय मारवाड़ी बासा, मारवाड़ी विद्यालय, मारवाड़ी पुस्तकालय का उल्लेख देखता हूँ। काशी विश्वनाथ बनारस के मंदिर में प्रसाद काउंटर में

मारवाड़ी शब्द का प्रयोग देखकर मुझे गर्व महसूस हुआ। यह भी भूल धारणा है कि समाज के सभी व्यक्ति धनी हैं। यह भी धरणा भूल है कि समाज के व्यक्ति सिर्फ व्यवसाय में ही संलग्न हैं। आज प्रशासन संगीत, विज्ञान, राजनीति, शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में समाज बंधु अपना परचम लहरा रहे हैं। आज भारत के यूनिकॉर्न, स्टार्टअप, समाचार पत्र जगत में समाज का वर्चस्व हैं। सब कुछ होते हुए भी कुछ बात है जो हमें चिंताग्रस्त कर रही हैं। लोहा अत्यधिक मजबूत होता है, इसे नष्ट नहीं किया जा सकता किंतु अगर इसमें जंग लग जाए तो नष्ट हो जाता हैं। आज समाज में अनेकों विसंगतियाँ पनप रहीं हैं। हमारे खान-पान, रहन-सहन, रीति रिवाज में गिरावट आ रही हैं। आज हमारे युवा को हम अपने संस्कार-संस्कृति से अवगत नहीं करा पा रहे हैं। घरो में राजस्थानी भाषा का प्रयोग नहीं करते हैं। हमे याद रखना होगा कि भाषा संस्कार-संस्कृति की संवाहक होती हैं। अगर भाषा लुप्त हो जाएगी तो हमारा पुराना इतिहास, हमारी परंपराएं विलुप्त हो जाएंगे। हमारी मारवाड़ियत लुप्त हो जाएगी। हमारे जीवन में बढ़ती हुई स्वच्छंदता एवं धन का बोलबाला हमें पीछे धकेल रहा हैं। संयुक्त परिवार अब इतिहास बनते जा रहे हैं। परिवारों में तनाव, देरी से विवाह, संतान उत्पत्ति में विलंब, मद्यपान, प्री-वेडिंग शूट, बढ़ते हुए तलाक, बिखरते परिवार आज हमें सोचने को मजबूर कर रही है कि हम क्या गलती कर रहे हैं :-

हमें बहुत खूबसूरत नजर आ रही है
ये राहे तबाही के घर जा रही हैं।

अपने शिकागो भाषण के पश्चात स्वामी विवेकानंद विदेश में काफी लोकप्रिय हो गए। उसके बाद में स्थानीय लोगो के विशेष आग्रह के कारण वे अमेरिका और यूरोप में कुछ महीने बिताए। उस दौरान उनके सम्मान में अनेकों समारोह आयोजित किए जाते। सभी आयोजन में वहां के स्थानीय लोग सूट-बूट के भेष में आते किंतु स्वामी विवेकानन्द जी अपने पारंपरिक वेशभूषा में ही रहते। एक दिन एक व्यक्ति ने मजाकिया लहजे में कहा कि आदरणीय आप हमारी ही तरह वेशभूषा में रहे तो क्या ज्यादा अच्छा नहीं होता? स्वामी जी ने कहा आपके यहाँ आपकी वेश भूषा ही आपकी सभ्यता हैं। हमारे देश में हमारी सभ्यता ही हमारा वेश भूषा हैं। अगर कुछ हद तक देखें तो मारवाड़ी समाज के लिए भी यही लागू होता हैं। हमारे मारवाड़ी समाज में भी हम अपने संस्कार और संस्कृति के कारण ही हम जीरो से हीरो बने हैं। पूरा विश्व आज भी इस बात का लोहा मानता हैं। हमारी संस्कार और संस्कृति की खासियत है। इस बात को आज युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है। हमें इस बात में शर्म नहीं आनी चाहिए कि हम मारवाड़ी है बल्कि हमें गर्व होना चाहिए कि हम मारवाड़ी हैं। मारवाड़ी ब्रांड ग्लोबल ब्रांड बन चुका है, इस बात को हमें समझना होगा। गर्व करने का मतलब यह नहीं है कि हम चारों तरफ इस बात का अभिमान करें लेकिन हम अपने अंदर में एक दायित्व बोध रखे कि हम मारवाड़ी हैं एवं हमारे संस्कारों का, हमारी संस्कृति का दायित्व हमारे ऊपर है। अगर आज हम अपनी नई पीढ़ी को संस्कारों - संस्कृति से अवगत कराते हैं तो हमारा समाज और भी मजबूत होगा और राष्ट्रीय विकास के कार्य में अधिक योगदान दे सकेगा।

यह एक अत्यंत खेद का विषय है कि आज की युवा पीढ़ी न तो अपने को मारवाड़ी समझने में गर्व करती है न हीं वह मारवाड़ियों की खासियत को अपना रही हैं। मैं तो यह समझता हूँ कि इसके लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं क्योंकि हमने उन्हें बचपन से अपने संस्कार और संस्कृति के बारे में अवगत नहीं कराया। यह हमारी जिम्मेदारी थी कि हम प्रथम से ही उन्हें अंग्रेजियत की ओर न मोड़कर अपने संस्कृति संस्कार के बारे में बताते ताकि प्रारम्भ से ही उसे अपना सकते। जिन मारवाड़ीयों को व्यवसाय का राजा कहा जाता है उनके लड़के आज व्यवसाय में जाने से सकुचाते हैं। फिलहाल कुछ दिनों पहले ही कोटक बैंक के अध्यक्ष श्री उदय कोटक, उद्योगपति श्री हर्ष गोयनका, जेएसडब्ल्यू ग्रुप के श्री सज्जन जिंदल ने इस बात पर चिंता व्यक्त किया है कि आज की पीढ़ी मेहनत और लगन की जगह अब फैमिली ऑफिस चला करके इन्वेस्टमेंट के जरिए कमाना चाहती है। श्री गोयनका ने तो यहां तक कहां की आज की पीढ़ी पसीना बहाने में विश्वास नहीं करती। एयर कंडीशन चेंबर में बैठकर पैसा कमाने में ही अपना लक्ष्य साधन समझ रही हैं।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए एक नई सोच के साथ डॉ. उज्ज्वल पाटनी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वेदों में कहा गया है – यद्भावत तद्भवती - जैसा हम सोचते हैं वैसा ही बनते हैं। इसीलिए मैं आपसे आग्रह करूंगा कि:

सोच को बदलो सितारे बदल जाएंगे
नज़र को बदलो नजारे बदल जाएंगे
कश्ती को बदलने से क्या फायदा
दिशा को बदलो किनारे बदल जाएंगे?

अतीत में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन समाज में आवश्यक परिवर्तन का सूत्रधार बनकर इतिहास रचा है पर उस इतिहास को हम कब तक पीछे मुड़कर देखते रहेंगे। आईए हम नए इतिहास की रचना का संकल्प ले। मारवाड़ी ब्रांड का देदीप्नतमान नक्षत्र फिर से एक बार अपने उज्ज्वलता के साथ चमके, इसके लिए हम संकल्पित हो। आज हमारे आने वाली पीढ़ी को सिर्फ भौतिक वस्तुए ही नहीं बल्कि हमारे संस्कार संस्कृति भी दे। गौतम बुद्ध ने कहा था **अप्प दीपो भव**। गीता में भी भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि **उद्धरेत आत्मानः आत्मानां**- अपनी आत्मा का अपने आत्मा से उद्धार करो। दीपक सिर्फ मनुष्य ही जला सकते हैं। हम संकल्प के उस दीप को जलाएं। बहुत मन से, भाव में भरकर, मंगल कामनाओं से सद्यः स्नात होकर एक दीप जलाकर तो देखें। आप सभी को इन पंक्तियों के माध्यम से अपनी शुभकामनाएं देना चाहूंगा कि:

मत समझो तम तुम्हारा पथ रोक लगी
तुम चलो तो दीप क्या सूरज हजार जल पड़ेंगे

जय सम्मेलन जय समाज जय राष्ट्र
आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज।

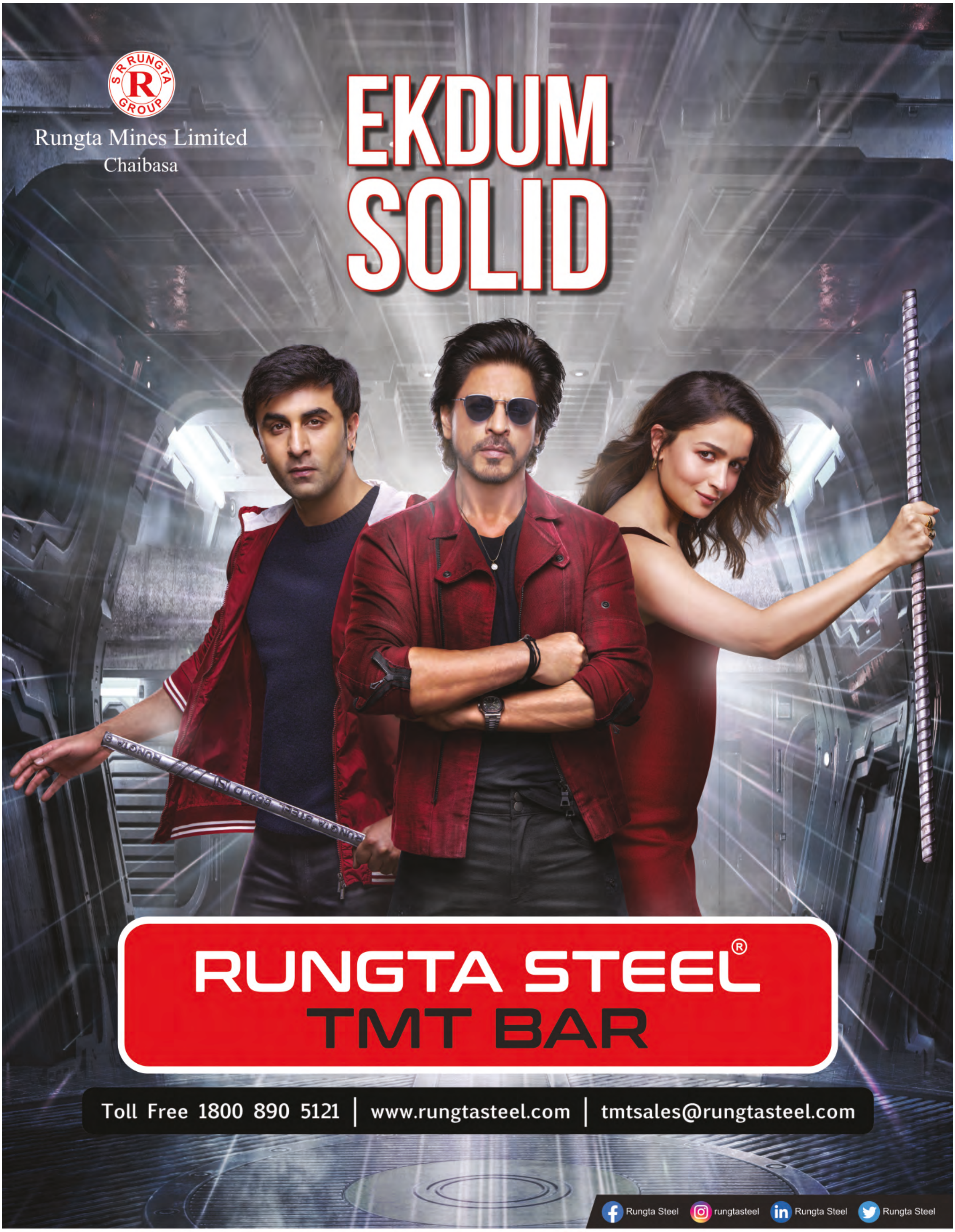

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

आपणी बात

सम्मेलन - समाज समन्वय

हम अपनी क्षमता पहचाने

**हम मिलकर एक विकसित राष्ट्र गठन करने के लिए संकल्पित है।
जहां समाज संगठित होकर समाज सुधार,
संस्कार-संस्कृति-चेतना एवं आपसी भाईचारे की भावनाओं को
अपना कर आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज के लक्ष्य को हासिल करेगा।**

सम्मेलन के सभी इकाईयों को एक सशक्त समाज के गठन के लिए सम्मेलन कार्य योजना (रणनीतिक कार्य योजना) हमें हमारे उद्देश्यों की पूर्ति के लिए दिशा एवं दशा को संवर्धित करेगी। सम्मेलन के मुख्य उद्देश्यों को अपनाकर सम्मेलन की गरिमामय इतिहास की हम पुनरावृत्ति कर सकते हैं एवं आने वाले पीढ़ी को एक स्वच्छ, संगठित एवं विकासशील परंपरा सौंप सकते हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर हमें कार्य करना हैं।

हमारे कार्यक्रम व्यापक एवं प्रभावी हो

- समाज सुधार प्रवचन से नहीं आचरण से होगा।
- संस्कारों के बिना सुविधा देना हानिकारक।
- हमारे कार्यक्रम को फलीभूत करने की हमारी क्षमताओं में क्रमशः विकास।
- सभी शाखाएँ घोषित कार्यक्रमों पर केन्द्रित करें।

पहुँच का विस्तार हो

- सभी शाखाओ को गतिशील करना
- समाज के सभी घटको को एकजुट करना।
- प्रत्येक घर से कम से कम एक सदस्य का लक्ष्य एवं देश के सभी जिलों में कम से कम एक शाखा हो।
- कार्यप्रणाली में निरंतरता एवं लचीलापन लाना।

सभी प्रतिभागियों की सहभागिता बढ़े

- शाखाओं को हर संभव सहयोग देना।
- कार्यकर्ताओं एवं श्रेष्ठ शाखाओं को पुरस्कृत करना।
- प्रत्येक प्रतिभागी को सम्मेलन के कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहना देना।
- सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को समुचित प्रशिक्षण ताकि उनकी उत्पादकता में बढ़ोतरी हो।

हमारी क्षमता का संपूर्ण लाभ मिले

- देश के विभिन्न भागों के सदस्यों से जुड़कर रोजगार व्यवसाय सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग कार्यक्रम का लाभ उठाना।
- सभी स्तर पर आपसी भाईचारे एवं परस्पर सहयोग देने की भावनाओं को बढ़ावा देना।
- उच्च शिक्षा कार्यक्रम का लाभ उठाना।
- सकारात्मकता मनोभाव से योगदान देने की प्रवृति का विकास।

धर्मो रक्षति रक्षितः- आप धर्म की रक्षा करें, धर्म आपकी रक्षा करेगा।

सम्मेलन को मजबूत बनाएं, सम्मेलन आपको सुरक्षा प्रदान करेगा एवं आपके व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होगा। व्यक्ति बनकर नहीं व्यक्तित्व बनकर जीएं।

सम्मेलन को अपना सर्वश्रेष्ठ दे - सम्मेलन आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देगा।

शिवकुमार लोहिया

(शिव कुमार लोहिया)

राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक

सम्मेलन में संगठन विस्तार के प्रयास सफल हो रहे है : शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक दिनांकः २१ मई २०२५ को सम्मेलन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान सत्र में अभी तक ४००० से अधिक नए सदस्य बन चुके हैं और लगभग ५५ नई शाखाएं भी खुली हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि हाल ही में मध्य प्रदेश प्रांत के इंदौर शहर में, जो कि देश की सबसे स्वच्छ शहर है, में भी एक शाखा खोला गया है। इस सिलसिले में उन्होंने बताया कि प्रांतीय अध्यक्षों के साथ उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों का भ्रमण कर संगठन विस्तार के लिए वहां के स्थानीय समाज से मिलकर चर्चाएं की हैं। उन्होंने आशा प्रकट की, इसका सुफल जल्दी ही मिलेगा। उन्होंने बताया कि संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम विभिन्न विद्यालयों में आयोजित किया जा रहा है। इसी संदर्भ में आगामी रविवार २५ मई को कोलकाता में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के विषय में विवरण दिया जिसमें विख्यात मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. उज्ज्वल पाटनी को सम्मेलन ने आमंत्रित किया। इस कार्यक्रम में डॉ. पाटनी व्यापार एवं घरों में किस तरह से पुरानी मान्यताओं के साथ नई परिस्थितियों का समन्वय बैठाया जाए, उस विषय पर अपना सारगर्भित प्रस्तुति रखेंगे। बैठक में अर्थ उप समिति के चैयरमेन आत्माराम सोंथलिया राजनीतिक चेतना उप समिति के चैयरमेन नंदलाल सिंघानिया, रोजगार उप समिति के चैयरमेन दिनेश जैन, भवन निर्माण उप समिति के संयोजक पवन जालान, संबद्ध संस्थाओं के संयोजक श्री राजेश ककरानियाँ आदि ने अपने उप समितियों के गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने सम्मेलन की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसे उपस्थित सदस्यों ने सराहा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र की यह अंतिम स्थाई समिति की बैठक है। उनकी कोई भी त्रुटि जाने अनजाने में हुई हो, उसके लिए उन्होंने खेद प्रकट किया। बैठक में पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने प्रांतीय सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संजय गोयनका ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता, अमित कुमार कहली, पवन बंसल, संदीप सेक्सरिया, गोपाल अग्रवाल, पवन जैन, सज्जन बेरीवाल, पंकज कुमार भालोटिया, रवि लोहिया, अमित मुंधड़ा आदि उपस्थित थे।

बैठक में पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने प्रांतीय सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने सम्मेलन की वित्तीय गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संजय गोयनका ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

सफलता का महत्वपूर्ण सूत्र – कृतज्ञता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा १० मई २०२५ को **'सफलता का महत्वपूर्ण सूत्र-कृतज्ञता'** विषय पर संगोष्ठी सम्मेलन सभागार में आयोजित की गई। अतिथि वक्ता संदीप मस्कारा ने विषय पर बोलते हुए कहा कि साधारण तौर पर हम लोग सफलता को धन या सामाजिक पहचान या हमारे पास जो वस्तुएं है या हमारे पद या प्रतिष्ठा के मापदंड से हम लोग मापते हैं। इस सूत्र में अक्सर यह देख जाता है कि हम आगे बढ़ने के लिए अपने मानसिक स्वास्थ्य एवं हमारे भावनात्मक आवश्यकताओं को पीछे छोड़ देते हैं। अक्सर ऐसा प्रतीत होने लगता है कि जैसे हम किसी दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने बताया प्रकृति में जो भी कुछ घट रहा है उसके पीछे एक पूरी व्यवस्था निहित हैं। आज सफलता का महत्वपूर्ण सूत्र है कृतज्ञता। अगर हम अपने जीवन में दूसरों की प्रशंसा करना, उन्हें धन्यवाद देना, उनके प्रति आभार प्रकट करना अगर सीख जाए एवं इन आदतों को जीवन में उतार ले तो हमारा जीवन का जो स्तर है, हमारे जीवन की जो सोच है काफी उन्नत हो जाएगी और उसके कारण हम एक सशक्त नेतृत्व क्षमता विकसित कर सकेंगे। फैसला लेने की क्षमता हमारी बढ़ जाएगी, हमारी उत्पादकता बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि अक्सर वही होता है जो प्रकृति द्वारा पहले से निश्चित हैं। हमें अपने जीवन में अपने इर्द गिर्द देखना है कि हमारे जीवन मे कितने लोगों से हमें सहयोग एवं सहायता मिलती हैं। उसके कारण हम अपने जीवन में आगे बढ़ पाते हैं। अगर उनके प्रति हम धन्यवाद की भावना रखेंगे तो हमारे में विनम्रता एवं प्रचुरता का बोध होता हैं। शिकायत करने की जगह दूसरों के गुणो पर ध्यान देने लगेंगे। इससे हमारा जीवन का मान बढ़ जायेगा। कृतज्ञ भाव को हम अपने जीवन में कैसे अपनाए, इस विषय पर उन्होंने श्रोताओं के समक्ष कई व्यावहारिक सुझाव पर विस्तर से चर्चा की, जिसे श्रोताओं ने काफी सराहा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया ने सभी आगंतुक सदस्यों का एवं अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के दिन अक्सर यह सुना जाता है कि मैं स्वयं सिद्ध व्यक्ति हूं। मनुष्य को जन्म लेने के बाद कम से कम २० वर्ष तक समाज का सहयोग लेना पड़ता हैं। उसके बाद भी निरंतर अपने जीवन में, अपने व्यवसाय में या जिस किसी भी अध्यवसाय में रहे हमें लोगों से मदद सहयोग मिलती रहती हैं। अतः हमें सर्वदा यह स्मरण रखना चाहिए की परोक्ष एवं अपरोक्ष रूप से हमें हमारे जीवन में अनेक लोगों से सहयोग मिलता रहता हैं। हमें उनके प्रति कृतज्ञता भाव व्यक्त करना चाहिए। उन्होंने चैतन्य महाप्रभु के इन वचनों का स्मरण करवाया जिसमें उन्होंने कहा था कि मनुष्य को तृण जैसे विनम्र होना चाहिए, वृक्ष के जैसे सहिष्णु होना चाहिए एवं मान लेने की आशा नहीं रखते हुए दूसरों का मान देते रहना चाहिए। यह तभी संभव हो सकता है जब हम अपने सोच को कृतज्ञ भाव से भरें एवं प्रभु की, परिवार की एवं समाज की जो हमें कृपा मिलती है उसका हम अनुभव करें।

कार्यक्रम के प्रथम में वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया ने अतिथि वक्ता को दुपट्टा ओढ़ा कर स्वागत किया एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया ने एक प्रतीक चिन्ह प्रदान किया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने किया। वक्तव्य के बाद में प्रश्नोत्तर का कार्यक्रम हुआ जिसमें अतिथि वक्ता ने श्रोताओं के प्रश्नों का उत्तर दिया।

कार्यक्रम मे राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री पवन जालान, जुगल किशोर जाजोदिया, अमित कुमार कहली, पियूष क्याल, नंदलाल सिंघानिया, शशी कान्त शाह, रितुश्री अग्रवाल, नथमल भीमराजका, अशोक संचेती जैन, अमर नाथ चौधरी, राम अवतार धूत, सज्जन बेरीवाल, ब्रिज मोहन धूत, सीताराम अग्रवाल, राजेश कुमार सोंथलिया, साँवरमल शर्मा, रघुनाथ झुनझुनवाला, सज्जन खंडेलवाल, शरद श्रॉफ, योगिता अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल एवं अन्य गणयमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संगोष्ठी

व्यवसाय और परिवारों में मारवाड़ी की सफलता के नए नियम

अखिल भारतवराषीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से दिनांकः २५ मई २०२५ को कोलकाता स्थित जी डी बिड़ला सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इसका विषय था **बदलते परिवेश में परिवार एवं व्यवसाय में सफलता के सूत्र**। संगोष्ठी को संबोधित किया अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मोटिवेशनल वक्ता डॉक्टर उज्ज्वल पाटनी ने किया। कार्यक्रम के प्रथम में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह धारणा गलत है कि मारवाड़ी समाज के लोगों ने सिर्फ व्यवसाय ही किया हैं। १८५७ में एवं उसके बाद के सभी स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने बढ़कर हिस्सा लिया एवं बहुत से लोगों ने फांसी का फंदा भी चुमा। आज मारवाड़ी समाज के लोग सभी क्षेत्रों में सफलता का परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी की अपनी विशिष्ट पहचान हैं। देश के विभिन्न भागों में जाने से आपको मारावाड़ी भोजनालय, मारवाड़ी बासा, मारवाड़ी पुस्तकालय, मारवाड़ी विद्यालय आदि के बोर्ड लगे दिख जाते हैं, जो कि यह बताता है कि इस ब्रांड पर पूरे देश को कितना भरोसा हैं। देश के राजनेता, समाजशास्त्री एवं अन्य तबके के लोगों से बात करने पर आपको पता चल जाता है कि सभी राष्ट्र निर्माण में मारवाड़ी समाज की अवदानो के प्रति कृतज्ञ हैं। समाज के लिए यह एक अमूल्य भावना है जिसे हमारे पूर्वजों ने हमारे संस्कार और संस्कृति का पालन कर स्थापित किया हैं। आज की युवा पीढ़ी को इस बात का गर्व होना चाहिए कि हम उन पूर्वजों की संतान है और हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित किए हुए मूल्य एवं उस ब्रांड को और आगे बढ़ाएं। मारवाड़ी हमेशा सकारात्मक भाव रखते हैं एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सदैव भूमिका निभाते आए हैं।

समारोह के प्रधान अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री सज्जन पटवारी ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सम्मेलन विगत ९० वर्षों से समाज को जोड़ने का काम सफलता के साथ कर रही हैं। सम्मेलन के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों को बधाई देता हूँ और आशा व्यक्त करता हूँ कि सम्मेलन इसी प्रकार समाज को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। आज मारवाड़ी समाज अपने संस्कारों के कारण ही जाना जाता है और उसे बचाने के लिए हमें हर संभव प्रयास करने की आवश्यकता हैं। उन्होंने सम्मेलन के इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी को आगे आने का अनुरोध किया।

मुख्य वक्ता डॉ. उज्ज्वल पाटनी ने अपने लंबे वक्तव्य को प्रारंभ करते हुए कहा कि हमारे सफलता के मुख्य चार अंग हैं - हमारा परिवार, हमारे संस्कार, हमारा व्यवहार एवं हमारा

सामाजिक सरोकार। उनके अनुसार व्यवसाय हो या व्यक्तिगत जीवन दोनों में पारिवारिक संबंधों की मधुरता अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। अपने जीवन के लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं एवं स्वयं को सदैव उन्नत करने का प्रयास हमे करते रहना चाहिए। उन्होंने इस विषय में कई उदाहरण प्रस्तुत किये जिसे श्रोताओं ने सराहा। उन्होंने कहा कुछ भी सफलता पाने के लिए अपने भाषा के ऊपर अपना ध्यान रखें और हमे अपने दैनन्दिनी जीवन में प्रत्येक दिन का हिसाब रखना होगा एवं प्रत्येक दिन छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करने होंगे जिसे उसी दिन के अंत तक हासिल करना होगा। बड़ी-बड़ी बातों से अधिक महत्वपूर्ण है कि हम छोटे-छोटे बदलाव प्रत्येक दिन अपने जीवन में लाते रहे। उन्होंने मारवाड़ी समाज में राष्ट्र में अवदान के विषय में बताते हुए कहा कि मारवाड़ी हमेशा अपनी मितव्ययिति के कारण जाना जाता है और हमेशा अपने संस्कारों के कारण जाना जाता हैं। मारवाड़ी हमेशा अपने दानवीरता एवं समाज सेवा के कारण जाना जाता हैं उसे हमें कायम रखना है और अपने जीवन को सफल बनाने के लिए जो आधारभूत परिवार की जो हमारी भावना है उसको हमें आगे बढ़ाना हैं। व्यवसाय हो या निजी जीवन हो, हमें कुछ भी हासिल करने के लिए सबसे पहले अपना एक दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा एवं उसे लक्ष्य को पाने के लिए जो भी आवश्यकता है उसके अनुसार हमें आगे बढ़ना होगा तभी हम अपने जीवन में सफलता पा सकते हैं। उन्होंने

अपने दीर्घकालीन वक्तव्य में निजी जीवन एवं व्यवसाय के अनेक पहलुओं को छुआ एवं उनका विशद विवेचन किया। खचाखच भरे हुए प्रेक्षागार में श्रोताओं ने अंत तक उन्हें सुना एवं बार-बार करतल ध्वनि से उनका अनुमोदन किया।

राष्ट्रीय महामंत्री से कैलाशपति तोदी ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन में धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूंगटा, पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, संतोष सराफ, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संजय गोयनका, पवन जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, आत्माराम सोंथालिया, नन्द किशोर अग्रवाल, एन जी खेतान, पवन गोयनका, विश्वनाथ भुवालका, शिवकुमार फोगला, राजेंद्र खंडेलवाल, गिरधारीलाल गोयनका, अरुण गाड़ोदिया, सज्जन बेरीवाल, अमित मुंधड़ा, पवन बंसल, जुगल किशोर जाजोदिया, संगीता भुवानिया, सज्जन खंडेलवाल, प्रकाश केजरीवाल, प्रकाश चंद्र हरलालका, के. के. सिंघानिया, मधु तोदी, पवन जैन, रवि लोहिया, संदीप सेक्सरिया, पंकज कुमार, अनिल डालमिया, विजय कुमार सिंघानिया, नंद किशोर अग्रवाल, संदीप मस्करा, रश्मि मस्करा, सी. एस. शारडा, लावन्य गोयनका, वंश गोयनका, उमेश केजरीवाल, राजेश जालान, प्रदीप कुमार ड्रोलिया, सीताराम अग्रवाल, राजेश नागौरी, अमित सरावगी, अमित कुमार डाबरीवाल, अभिषेक डोकानिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, मुकेश जैन, आर. ए. धूत, विनोद मित्तल, मनोज कुमार अग्रवाल, किशन लाल केडिया, मधुसूदन गोयनका, सुरेश कुमार तापड़िया एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित थे।

पूर्वांचल विद्यामंदिर में संस्कार–संस्कृति–चेतना कार्यक्रम

विद्यार्थी जीवन में मेहनत करें, पूरे जीवन इसका लाभ मिलेगा : शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा दिनांकः १४ मई २०२५ को कोलकाता के सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान पूर्वांचल विद्यामंदिर में **संस्कार-संस्कृति-चेतना** का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि अगर विद्यार्थी जीवन में हम मेहनत करते हैं तो उसके बाद में उसका फल हमें पूरा जीवन मिलता है और अगर इस समय हम कोताही बरतते हैं तो उसका खामियाज़ा हमें पूरी जिंदगी भूगतना पड़ता है। इसलिए उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि इस महत्वपूर्ण बात को याद रखते हुए अपने जीवन को सफल बनाने के लिए पूरी मेहनत, लगन एवं निष्ठा के साथ विद्यार्जन करें और घर में बुजुर्गो का सेवा-सम्मान करें। उन्होंने बताया कि विदुर नीति एवं गीता जैसे हमारे ज्ञान के भंडार ५००० वर्षों से हमें उपलब्ध हैं। हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार, हमारी ज्ञान मंजूषा विश्व में सर्वश्रेष्ठ हैं। इसलिए हमें किसी भी रकम से अपने को दूसरों से कम नही समझना चाहिए। जीवन हमें श्रेष्ठ बनने के लिए मिला हैं। इसके लिए हमें पूरी तैयारी के साथ अपने जीवन का श्रेष्ठ बनाने के लिए सजग एवं सचेष्ट रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि बच्चों में **संस्कार-संस्कृति-चेतना** जागृत करना अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक हैं। उन्होंने सभी से इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए आवाहन किया।

विद्यामंदिर के अध्यक्ष बृजमोहन जी बेरीवाल ने भारतवर्ष के संस्कार और संस्कृति के विषय में बच्चों को जानकारी दी एवं बताया कि उन्हें अगर सफल होना है तो अपने संस्कार-संस्कृति को अपने जीवन में उतरना होगा। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यामंदिर की प्राचार्या रानी जेसिका गोम्स ने भी अपने सारगर्भित विचार व्यक्ति किये।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल के छात्रों ने विदुर-नीति, चाणक्य-नीति, गीता एवं रामायण के विभिन्न श्लोको का विश्लेषण किया और उन पर अपने विचार व्यक्त किये। छात्रों ने उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। सभी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, सज्जन बेरीवाल, विद्यामंदिर की उप प्राचार्य मोम मित्र, मनोज सर, दिलीप दा संलग्न थे। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल उपाध्यक्ष विश्वनाथ भुवालका, पवन बंसल, राजेश सोंथलिया, अनिल डालमिया, सांवरमल शर्मा आदि उपस्थित थे।

संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम

शिक्षक – शिक्षिकाओं की प्रतिक्रियाएँ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन और पूर्वांचल विद्यामंदिर द्वारा संयुक्त रूप से संस्कृति-संस्कार-चेतना को ध्यान में रखकर जो कार्यक्रम किया गया, बहुत सराहनीय था, विशेष कर बच्चों द्वारा भाग लेना एवं अपने विचारों को प्रस्तुत करना। प्राचीन काल के पौराणिक ग्रंथों के श्लोक जो आज के आधुनिक युग में भी प्रासंगिक हैं। भविष्य में आशा करती हूं कि ऐसे कार्यक्रम जो बच्चों में व्यवहारिक ज्ञान और अपने जीवन में आगे बढ़ने में मदद करें, उसका हिस्सा बनने का मौका मिलता रहेगा।

– रानी जेसिका गोम्स
प्रधानाचार्या, पूर्वांचल विद्यामंदिर

सांस्कृतिक कार्यक्रम ऐसे कार्यक्रम होते हैं जो कमोबेश व्यापक दर्शकों के मनोरंजन और आनंद के लिए आयोजित किए जाते हैं। ये कला, संस्कृति या मूल्यों की किसी शाखा से संबंधित कुछ महत्व के कार्यक्रम होते हैं।

इन आयोजनों का उद्देश्य सांस्कृतिक विषयों का प्रचार-प्रसार करना होता हैं। ये विभिन्न कलाओं जैसे प्रदर्शन कला, संगीत, फोटोग्राफी, साहित्य आदि से संबंधित हो सकते हैं... त्यौहार या सम्मेलन आमतौर पर किसी विशेष विषय के लिए आयोजित किए जाते हैं।

इस सारी बिंदुओं को आधार बनाकर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन और पूर्वांचल विद्यामंदिर के द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो बहुत ही प्रेरणादायक रहा। जिसमें विद्यालय के छात्र और छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। जिन्होंने हमारे पौराणिक ग्रंथों का आज क्या महत्त्व है उस पर चर्चा हुई। मैं आशा करता हूं कि आने वाले समय में ऐसे ही विषय को आपसे जुड़ने का मौका मिले। धन्यवाद।

– श्री बृज मोहन बेरीवाल
सभापति पूर्वांचल विद्यामंदिर

सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य शिक्षा देना और मनोरंजन करना है, जो अतीत और वर्तमान के बीच सेतु का काम करता हैं। आकर्षक और उत्तेजक गतिविधियों के माध्यम से, सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों को अपनी पहचान से जुड़ने और अपनी संस्कृति की जड़ों को प्रतिबिंबित करने का अवसर देते हैं। खोज की यह प्रक्रिया न केवल मौजूदा परंपराओं को बढ़ाती है बल्कि नए कलात्मक रूपों और सोचने के तरीकों के प्रति खुलेपन को भी बढ़ावा देती हैं।

विद्यालय में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सहयोग से कार्यक्रम में जुड़ने का मौका मिला। बच्चों द्वारा उनके विचार और पौराणिक ग्रंथों का आज के समय में कितना योगदान हैं। इस विषय पर भी चर्चा हुई। आशा करता हूँ कि भविष्य में आगे भी इसके जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

– मनोज
शिक्षक पूर्वांचल विद्यामंदिर

उपलब्धियाँ

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री सजन भजनका को २७ मई २०२५ को राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री उपाधि से सम्मानित किया। हार्दिक बधाई!

सुश्री पलक जाजू सुपुत्री श्री प्रदीप - रजनी जाजु व सुपौत्री श्री हुकमी चन्द जी - सोहनी देवी जाजु लखीमपुर निवासी ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कक्षा १२ कॉमर्स में ९८.८% नम्बर हासिल करते हुए पुरे देश भर में पांचवीं रैंक हासिल की है।

सम्पुर्ण पुर्वोत्तर व लखीमपुर को गौर्वान्वित किया है।

बहुत-बहुत बधाई!

पंचकुला के भवन विद्यालय की १०वीं कक्षा की छात्रा सृष्टि शर्मा न सिर्फ हरियाणा बल्कि पूरे देश में टॉपर्स की सूची में शामिल हो गई है...छात्रा ने ५०० में से ५०० अंक हासिल किए हैं। बधाई!

वितरण भागीदार के रूप में ५० वर्ष पूरे होने पर दरभंगा के श्री पवन सुरेका डाबर इंडिया के राष्ट्रीय कार्यक्रम "संगम" में श्री मोहित बर्मन, चेयरमैन द्वारा सम्मानित किये गये। हार्दिक बधाई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का उत्तर प्रदेश दौरा

कानपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम

२८ अप्रैल २०२५ - १ मई २०२५; कानपुर में आयोजित कार्यकारिणी बैठक के उपरांत सायं रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम आयोजित की गई। यह अत्यंत ही सुरुचि पूर्ण एवं मझे हुए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई। उनमें से कुछ युवा कलाकार तो सम्मेलन परिवार के ही अंग थे। इसी दौरान लखनऊ से पधारे कुछ समाज बंधुओ से लखनऊ में शाखा खोलने पर चर्चा हुई। प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोपाल तुलस्यान इस विषय में तत्पर हैं।

कानपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम

दूसरे दिन हम लोग निकल पड़े अयोध्या की ओर। साथ में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान। अयोध्या पहुंचकर वहां के वरिष्ठ समाजसेवी, पूर्व

अयोध्या में श्री अरुण अग्रवाल के साथ

उत्तर प्रदेश अग्रवाल संगठन के प्रांतीय संयोजक और अग्रवाल भवन ट्रस्ट अयोध्या के यशस्वी महामंत्री श्री अरुण अग्रवाल से रघुकुल सदन में व्यापक चर्चा हुई एवं अगली रणनीति तैयार की गई।

अगले दिन हम प्रयागराज होते हुए बनारस पहुंचे। वहां पर बनारस शाखा के अध्यक्ष श्री अनुज डीडवानिया उपाध्यक्ष पंडित गोकुल शर्मा एवं अन्य सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस सभा में संगठन विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई। बनारस शाखा के ही श्री दिलीप खेतान के सहयोग से दूसरे दिन भदोही जाने का कार्यक्रम बना। वहां पर श्री केवल मित्तल, राजकुमार

बनारस में बैठक

बोथरा एवं अन्य समाज बंधुओ से विस्तृत विचार विमर्श के पश्चात भदोही में एक नई शाखा खोलने का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात श्री खेतान ने गोरखपुर, आजमगढ़ में भी नई शाखा खोलने के प्रयास का आश्वासन दिया। उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान को मैंने अनुरोध किया कि इस उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार के लिए आवश्यक कदम उठाए।

भदोही के समाज बंधुओ के साथ

लखनऊ के समाज बंधुओं के साथ

सम्मेलन पंच सूत्री कार्यक्रम

समाज सुधार

सामाजिक रूढ़ियों एवं कुरीतियों के उन्मूलन हेतु प्रयत्न करना। समाज बंधुओ मे इस विषय में जागरूकता लाना। प्री-वेडिंग शूट, विवाह समारोह में मद्यपान एवं विवाह के अवसर पर सड़कों पर महिलाओं की नाचना जैसे कुरूतियों के विरोध में जनमत तैयार करना।

संस्कार-संस्कृति-चेतना

नई पीढ़ी को हमारे संस्कार संस्कृति से जोड़ने का प्रयास करना एवं इस विषय में व्यापक अभियान चलाना।

राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार

घरों में हम विशेष कर नई पीढ़ी आपस में राजस्थानी भाषा में वार्तालाप करें। राजस्थानी भाषा के सरकारी मान्यता के लिए प्रयास करना। राजस्थानी भाषा के साहित्य को प्रोत्साहित करना।

संगठन विस्तार

समाज बंधुओ को सम्मेलन से जोड़ना एवं नई जगहो में शाखाएं खोलना। सभी शाखाओं को गतिशील करना एवं शाखाओ में प्रतिभागियों की सहभागिता बढ़ाना।

आपणों समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज। समाज के विभिन्न घटकों में आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना एवं समाज को मजबूत बनाना।

अन्यः

उच्च शिक्षा सहयोग, रोजगार सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग, व्यापार सहयोग कार्यक्रमों को गतिशील करना।

परिवार के निर्णय में भागीदारी - असल जीवन की तैयारी

आज भी हमारे घर में जब हम कोई भी निर्णय लेते हैं तब बेबी उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। यह असामान्य लग सकता है, कि एक बच्चा कैसे बड़ों की भाँति निर्णय ले सकता है। लेकिन मुझे विश्वास है कि बच्चे एक अनोखी क्षमता रखते हैं जो उन्हें निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। बच्चे बड़ों से बेहतर निर्णय ले सकते हैं। उनके विचार पवित्र होते हैं, वे अपने अस्तित्व से जुड़े होते हैं।

- आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का समावेश

  बचपन से ही मैंने बेबी को जीवन के प्रति जागरुक और आभारी बनाने का प्रयास किया है। हमने अपने जीवन में कुछ छोटी-छोटी आदतें विकसित की है जो हमें आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों से जोड़ती है।

- भोजन से पहले हम "अन्नदाता सुखी भव" कहते हैं, जो हमें अपने भोजन के स्रोत और दूसरों के प्रति कृतज्ञता की भावना सिखाता है.
- पढ़ाई शुरु करने से पहले, हम दो महत्वपूर्ण मंत्रों का जाप करते हैं-

  ॐ भूर्भवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

  ॐ असतो माँ सद-गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मा अमृतं गमय। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

  ये मंत्र हमें ज्ञान, प्रकाश और अमरत्व की दिशा में प्रेरित करते हैं।

- घर से निकलने से पहले, हम ईश्वर का आह्वान करते हैं उनकी कृपा और सुरक्षा के लिए। ये आदतें हमें जीवन के हर पहलू में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता से जोड़ती हैं।
- इसके अलावा, जब भी हम रास्ते में एम्बुलेंस को जाते हुए देखते हैं या उसकी आवाज सुनते हैं, तो हम कुछ क्षणों के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं - मरीज के अच्छे स्वास्थ्य और सही उपचार के लिए और उनके परिवार के सदस्यों के लिए शांति और धैर्य की कामना करते हैं। यह आदत हमें दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा की भावना विकसित करने में मदद करती हैं।
- मन की स्थिति के प्रति आत्म-जागरुकता का विकास चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य
- रात को सोने से पहले, हम दिन की समीक्षा करते हैं ताकि यह विश्लेषण और आत्म सुधार की दिशा में प्रेरित करती है, और हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करती हैं।
- विचारों की अभिव्यक्ति-आत्मविश्वास और नेतृत्व की कुंजी

  मैंने उसे सिखाया है की सभी भावनाएँ स्वीकार्य हैं, लेकिन सभी व्यवहार नहीं।

संस्कार संस्कृति चेतना

१. प्रारंभ से ही बच्चों का विद्यालय जाने से पहले स्नान करना।
२. स्नानोपरांत संक्षिप्त प्रार्थना ।
३. त्योहारों एवं सभी मांगलिक अवसरों पर घर के बड़ों के पाँव छूकर प्रणाम करना ।
४. गीता एवं रामायण का अध्ययन करना एवं उनकी कहानी पढ़ना ।
५. स्तुति/मंत्र कंठस्थ करना ।
६. भारतीय महापुरूषों की जीवनी पढ़ना।
७. घर में मारवाड़ी में बात करना ।
८. हाय हेलो, बाय-बाय, गुड मॉर्निंग की जगह राम-राम, राधे-राधे का प्रयोग करना ।
९. यथा संभव सप्ताह में एक बार मंदिर जाने की आदत डालना व त्योहारों पर पारंपरिक वेश-भूषा में परिवार के साथ मंदिर अवश्य जाना ।
१०. सभी अभिभावक अपने आचरण के प्रति सजग रहे ताकि बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े ।
११. नवजात शिशु को मम्मी पापा की जगह माँ बाबूजी कहने की आदत डालना ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
द्वारा प्रसारित

सबा स निवेदन है आपणां घरां में टाबरां सागै अर आपसरी में मायड भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

शिवकुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

#मारवाड़ी_भासा_रो_हेलो

- क्षमा की शक्ति

उसने माफी के महत्व को सीख लिया है, क्योंकि उसने मुझे अपनी गलतियों के लिए सच्चे दिल से माफी मांगते देखा है। जब भी उसे अपनी गलती का एहसास होता है, वह बिना किसी हिचकिचाहट के माफी मांगती हैं। हमने कभी भी उससे माफी मांगने की अपेक्षा नहीं की।

मेरी इच्छा है बेबी स्वतंत्र विचारक बने, जो अपने निर्णय स्वयं ले सके। विवेकशील बने, जो सही और गलत का अंतर समझ सके। आत्मनिर्भर बने, जो अपने विचारों और निर्णयों में विश्वास रख सके। सूझबूझ से निर्णय ले, जो अपने निर्णयों में तर्क और विवेक का उपयोग कर सके।

- प्रतिभा सराफ

संतान को संस्कार कैसे सिखाया जाय?

इस प्रश्न के उत्तर के लिए एक सच्ची कहानी बताता हूँ, जब मैं सिर्फ १० साल का बच्चा था। मैं हरे और स्वच्छ वातावरण में पला-बढ़ा हूँ। बहुत सारे खेत, फल और अन्य पेड़, वनस्पति उद्यान और क्या नही.

स्वाभाविक रूप से बड़े खेल के मैदान भी थें। शरारती बच्चों के झुंड के रूप में, मैं और दोस्त शाम को लगभग ५ बजे इकट्ठे होते थे और तब तक खेलते थे जब तक हमारे माता-पिता हमें एक कोने में ढूंढ नहीं लेते।

चूंकि फलों के पेड़ बहुत थे, इसलिए हम विभिन्न प्रकार के फल जैसे जामुन, आम, अमरूद के स्वाद का आनंद लिया करते। कभी-कभी हम दीवारों को भी लांघते और तथा कथित निजी बागानों से फलों को भी तोड़ते - निर्दोष चोरी की तरह।

किसी और के बागान में घुसना और फल प्राप्त करना काफी सुखद था। जो कुछ करने के लिए हमें मना किया गया था, उस का मजा ही कुछ और था।

तो यह अंकल मनविंदर थे जिनके बगीचे में अमरूद के पेड़ थे। हालाँकि चारों तरफ कई अमरूद के पेड़ थे, लेकिन हम दोस्तों ने उनके बगीचे के अमरूदों को सबसे स्वादिष्ट पाया।

हर दूसरे दिन अंकल मनविंदर के बगीचे में चुपके से जाते और फल चुराकर खाते। निश्चित रूप से उन्होंने देखा होगा कि अमरूद कहाँ गायब हो रहे हैं, हालाँकि उन्होंने हमें एक भी दिन नहीं रोका और ना ही किसी के माता-पिता को शिकायत की।

हर दिन हमारी स्कूल बस हमें एक बस स्टॉप पर छोड़ देती थी और हम में से कुछ को घर पहुँचने के लिए अंकल मनविंदर के घर के सामने वाली गली से गुजरना पड़ता था। इसमें मैं भी शामिल था।

एक दिन, जब मैं घर जा रहा था, अंकल बाहर खड़े थे। जब मैं उनके सामने से गुज़रा तो उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया।

"आज तो मर गए", मैंने सोचा "लगता है कि अंकल जी ने मेरे माता-पिता से भी शिकायत की होगी और इसका मतलब अच्छी पिटाई होने वाली है"।

"कृपया मुझे जाने दो", मैंने डर कर कहा।

"बस एक पल रुको, बच्चे। मुझे एक मिनट दो" उन्होंने कहा।

मेरे दिमाग में तो पिटाई की कहानियाँ चल रही थी।

उन्होंने हाथ छोड़ा और दोनों हाथों में कई अमरुद लिए और बहुत प्यार से उन्हें मुझे दिया। मैं एक शर्मीले अच्छे बच्चे की तरह चुप हो गया और मना कर दिया क्योंकि उपहार स्वीकार नहीं कर सकता था।

लेकिन उन्होंने फिर आग्रह किया। उनकी आवाज में इतना प्यार था जैसे अगर मैं अमरूद की भेंट को स्वीकार कर लूं तो वे शुक्रगुजार होंगे। मैंने स्वीकार किया, घर गया और अपने माता-पिता को अमरूद दे दिए। उन्होंने अंकल को धन्यवाद दिया।

खैर, यह आखिरी था जब मैंने उनके या किसी और के निजी बगीचे से फल चुराए। दिल में शब्दों से परे एक बदलाव था - अहोभाव था। उनके प्रति और सभी के लिए बस प्यार और कृतज्ञता थी।

अब अगर मैं निजी बागानों से फल चाहता तो मैं हमेशा अनुमति लेता। पुराने जमाने थे, लोगों में भी एक दूसरे के प्रति प्रेम था तो अनुमति के साथ भी फल मिल ही जाते थे।

जो मजा नहीं कर सकती वह प्रेम और दयालुता आसानी से कर जाते हैं। सजा तो केवल कुछ समय के लिए किसी बच्चे को रोक सकती है परंतु प्रेम हृदय ही परिवर्तित कर देता हैं। दंड का भी स्थान तो है परंतु प्रेम के सामने बहुत ही छोटा हैं।

तो बच्चों को अगर संस्कार सिखाने हैं, स्वयं संस्कारी बनें। स्वयं के हृदय में प्रेम और दयालुता को जन्म दे। प्रेम से सिखाने की कला सीखें।

रामचरितमानस संस्कार

शताब्दियों से सनातन धर्मावलंबियों की आस्था एवं श्रद्धा का अटूट केंद्र रहे तुलसीदास कृत रामचरितमानस की रचना संवत १६३३ में की गई थी, इसे ग्रंथ के रूप में संग्रहित करने के लिए तुलसीदास जी को कुल २ वर्ष ७ माह एवं २६ दिनों का समय लगा था जिसके उपरांत सन १५७६ में मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की तिथि को इसे पूर्ण किया गया था। रामनवमी की तिथि से प्रारंभ किये गए इस ग्रंथ के संकलन में तुलसीदास ने भगवान शिव की प्रेरणा से इसे अवधि भाषा में रचा जिसमें सम्पूर्ण रामायण को कुल ७ अध्यायों में समेटा गया हैं।

रामचरितमानस की ख्याति अद्वितीय है और भारत के उत्तरी भाग में तो इसका पाठन समाज के एक बड़े वर्ग की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है सामान्य भाषा शैली में मर्यादापुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के चरित्र को परिभाषित करता मानस अवधी की एक महान कृति है जिसका अध्ययन मात्र ही आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति के महान नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्रदान करता रहेगा।

'हनुमान तेहि परसा कर पुनि कीन्ह प्रणाम'
'राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम!'
'मेरी संस्कृति...मेरा देश...मेरा अभिमान'

manipalhospitals
LIFE'S ON

From Complex Procedures to Diagnosis,

Our Team Has All the Answers.

Avail Advanced Care at Our Department of Cardiology.

Be it complex angioplasties or advanced procedures like MICRA and LVADs — we bring world-class cardiac care to the heart of Kolkata.

Procedures:

- Interventional Procedures (TAVR, CSP, ICD)
- Latest Devices (MICRA, ICD, LVAD)
- Minimally-Invasive Cardiac Surgery
- Heart Transplant

Our Specialities:

55+ Beds | 7+ Cath labs | 75+ Cardiologists

State-of-the-Art CTVS With ECMO | 15+ Cardiothoracic Surgeons

Visit Manipal Hospitals

Broadway | Saltlake | Mukundapur | Dhakuria | EM Bypass

To Book an Appointment 033 6680 0000

Scan to access special privileges

राष्ट्रीय अध्यक्ष का इंदौर एवं उज्जैन यात्रा

इंदौर की शाखा के शुभारंभ के समय सभा में राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्तिगण।

१८ मई २०२५ को मारवाड़ी सम्मेलन की इंदौर शाखा का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में भाग लेना मेरे लिए एक सुखद एवं संतोषजनक अनुभूति थी। इंदौर में शाखा खोलने के लिए पिछले १ वर्षों से प्रयास चल रहा था। श्री बनवारी लाल जाजोदिया एवं श्री शरद सरावगी के अथक प्रयासों के कारण यह संभव हो पाया। उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम होगी। इस उद्घाटन समारोह में शहर के खास गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री राजेश थरड़ (मित्तल) के नेतृत्व में एक उत्साही एवं उद्योगी टीम ने इंदौर शाखा की कमान संभाली हैं। इंदौर पूरे देश का अधिकतम स्वच्छ शहर है एवं साथ ही साथ संस्कृति का केंद्र भी हैं। यहां पर शाखा खुलना अपने आप में ही एक विशिष्ट महत्व रखता हैं। विशेष उल्लेखनीय है की शाखा खुलने के पहले ही यहां पर सात विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं ५२ आजीवन सदस्य बन गए एवं उद्घाटन समारोह के उपरांत काफी समाज बंधुओ ने सम्मेलन के सदस्य बनने का उत्साह दिखाया। इंदौर शाखा खुलने के १ दिन पहले अर्थात १७ मई २०२५ को इंदौर के शाखा अध्यक्ष श्री राजेश मित्तल के सहयोग से उज्जैन भ्रमण करके सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री निमेष अग्रवाल एवं अन्य बंधुओ से वहां पर बैठकर चर्चा हुई। उन्होंने भी आश्वासन दिया है कि उज्जैन में शीघ्र एक नई शाखा का उद्घाटन होगा। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी एवं मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा भी साथ थे।

उज्जैन में श्री निमेश अग्रवाल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

राष्ट्रीय अध्यक्ष इंदौर के सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री पवन सिंघानिया का स्वागत करते हुए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष इंदौर के सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री राधेश्याम शर्मा का स्वागत करते हुए।

बैठक में शामिल राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारीयों के साथ उज्जैन के सुप्रसिद्ध समाजसेवीगण

प्रांतीय समाचार : मध्य प्रदेश

इंदौर में मारवाड़ी सम्मेलन की नई शाखा का शुभारंभ

इंदौर शाखा के अध्यक्ष श्री राजेश थरड़, सचिव श्री रंजन अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्री अतिन अग्रवाल शपथ लेते हुए।

१८ मई २०२५ को अभय प्रसाल क्लब में इंदौर शाखा का शुभारंभ किया गया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी कोलकाता से कार्यक्रम में पधारे।

मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री विजय सकलेचा पूर्व अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा एवं उपाध्यक्ष श्री शरद कुमार सरावगी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। श्री शिव कुमार जी की अध्यक्षता में श्री कमलेश नाहटा ने श्री राजेश थरड को अध्यक्ष, श्री रंजन अग्रवाल को सचिव, एवं श्री अतिन अग्रवाल को कोषाध्यक्ष पद के लिए शपथ दिलवाई। प्रदेश अध्यक्ष श्री सकलेचा ने पदाधिकारीयों को लेपल पिन पहनायी। श्री बनवारी लाल जाजोदिया को उनके अथक प्रयास के लिए सम्मानित किया गया एवं सराहा गया।

जैसा कि इस कार्यक्रम का नाम संकल्प रखा गया था नवीन अध्यक्ष राजेश थरड जी ने नाम के अनुरूप संकल्प लिया कि जिस तरह इंदौर भारत में स्वच्छता के लिए नंबर वन है वैसे ही मारवाड़ी समाज के उत्थान के लिए भी समाज की युवा वर्ग को अपने साथ लेते हुए नंबर वन संस्था बनाया जाएगा। कटनी से आए शरद जी सरावगी को भी उनके निरंतर प्रयासों के लिए सराहा गया। महामंत्री तोदी जी ने संस्था के संविधान एवं उद्देश्यों की जानकारी सदन को दी एवं बताया कि किस प्रकार विगत ९० सालों से यह संस्था अलग-अलग क्षेत्र के जरूरतमंद के लिए कार्यरत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए समाज में मारवाड़ी भाषा, संस्कृति, और संस्कार के महत्व को बताया। साथ ही उन्होंने समाज में मातृशक्ति एवं युवा पीढ़ी को जागरूक करने एवं अपने संस्कारों का ध्यान रखने की बात कही।

कार्यक्रम में समाज के गणमान्य व्यक्ति उद्योगपति श्री पवन सिंघानिया श्री मदन अग्रवाल गरोठ, श्री सर्वप्रिय बंसल संरक्षक की भूमिका में मौजूद थे। इन सभी का सम्मान किया गया। इंदौर शहर के वरिष्ठ व्यापारी श्री राधे श्याम शर्मा, श्री आत्माराम अग्रवाल, श्री बासु टिबड़ेवाल, श्री मुरलीधर पटवारी, श्री मुरारी शाह, श्री राजकुमार रामगढ़िया, श्री प्रभु दयाल सेक्सरिया, श्री फतेहपुरिया समाज के महामंत्री श्री धीरज गर्ग सहित काफी लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम का आभार सचिव श्री रंजन अग्रवाल जी ने लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार जी ने कार्यक्रम के सुंदर संचालन के लिए श्रीमती राजेश्वरी थरड़ को सम्मानित किया।

कोषाध्यक्ष श्री अतिन जी अग्रवाल, प्रमोद जी अग्रवाल, संदीप जी थरड़ और मह्शविन ने लोगो को सदस्यता लेने के लिए प्रेरित किया।

लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिड़ला का स्वागत

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से श्री ओम जी बिड़ला का सर्व प्रथम स्वागत कर समारोह का शुभारंभ किया।

श्री ओम जी बिड़ला, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, श्री अजय मारू, श्री बिनय सरावगी, श्री राजकुमार केडिया, श्री पुनीत पोद्दार, श्री संजय सेठ, श्री चण्डी प्रसाद डालमिया, श्री रतनलाल बंका, श्री सी.पी. सिंह, श्री महेश पोद्दार एवं श्री अमित साहू उपस्थित रहें।

परिचय

शाखाध्यक्ष

राजेश जी थरड़ (मित्तल) का जन्म असम के डिब्रूगढ़ शहर में श्री सत्यनारायण जी थरड़ के यहाँ हुआ। उन्होंने बीकॉम ऑनर्स, LLB और CA इंटर की पढ़ाई की। असम के उस वक्त के हालात के कारण वे १९९४ में इंदौर आ गए थे और निजी और मल्टीनेशनल कंपनियों में काम किया। २०१५ में उन्होंने अपनी कस्टमाइज्ड फर्नीचर बनाने की एक फैक्ट्री डाली जो की एक इटालियन कॉन्सेप्ट पर फर्नीचर बनाती हैं। समाज से राजेश जी का नाता युवावस्था से ही थी। मारवाड़ी युवा मंच, बॉस्को यूथ क्लब, लियो क्लब ऑफ़ डिब्रूगढ़ ग्रेटर के संस्थापक आदि। इन्हें लियो अवार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया था। वर्तमान में ये निम्नलिखित संस्थाओं के सदस्य है, केंद्रीय समिति इंदौर एवं श्री फतेहपुरिया समाज इंदौर के आजीवन सदस्य, अग्रवाल बिजनेस कम्युनिटी के फाउंडर रीजनल कमेटी मेंबर पिपलियाहाना अग्रवाल संगठन के फाउंडर कार्यकारिणी सदस्य, शाकंभरी (कुलदेवी) ट्रस्ट इंदौर के संरक्षक, मारवाड़ी सम्मेलन इंदौर शाखा के संस्थापक अध्यक्ष हैं।

इंदौर में आपके परिवार में माताजी सुमन देवी थरड़ है, पत्नी राजेश्वरी थरड़ और पुत्र मह्शविन राज मित्तल है। मह्शविन मुंबई में विज्ञापन कंपनी में कार्यरत हैं।

संस्कार दिए बिना 'सुविधाएँ' देना पतन का कारण है, बच्चे को सुविधाएँ न दो तो थोड़ी देर रोयेगा लेकिन "संस्कार न दो तो पूरी ज़िन्दगी रोना पड़ेगा..!!

वक्तव्य

इंदौर में शाखा खोलने के अभियान को चलाए साल भर से अधिक हो गया, नए काम में बाधाएं आती है इस वजह जो देरी हुई उसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ।

इंदौर के गौरवशाली इतिहास में १८ मई का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा जो ९० वर्ष पुरानी वटवृक्ष की शाखा इंदौर तक फैल गई अब उसकी छाया में इंदौर का मारवाड़ी समाज एक जुट होकर फलेगा फुलेगा और एक दूसरे के सुख दुःख में साथ खड़ा होगा, संगठन की ताकत से अच्छे-अच्छे को झुकाया जा सकता है, यही इंदौर में शाखा खोलने का मुख्य उद्देश्य हैं। हमारी मारवाड़ी भाषा, नेगचार, तीज त्यौहार जो लुप्त से हो गये उन्हें पुनः स्थापित कर नई पीढ़ी को उनसे अवगत कराना।

वर्तमान के माहौल को देखते हुए हम चिंतित है मायड़ भाषा को लेकर, परिवारों में गिरते संस्कारों को लेकर, गिरते रोजगार के अवसरों को लेकर, आपसी भाई चारे, एक जुटता को लेकर, बच्चे बड़ी-बड़ी डिग्री लेकर घर का व्यापार छोड़कर विदेशों के रुख को लेकर, परिवार के पोता-पोती, नाती-नातिन, दादा-दादी, नाना-नानी से दूरियां को लेकर, घर के बुजुर्गों के एकाकीपन को लेकर, ये हरेक घर-घर की कहानी हैं।

दूसरा सबसे ज्यादा जो चिंता का विषय है मारवाड़ी समाज में पहनाव उढ़ाव, कहाँ वो धोती कुर्ता, ललाट पर चमकता तिलक उसकी जगह ले ली बीच-बीच में फटी जींस, बरमुंडे और टी शर्ट ने, महिलाएं जो सिर पर से पल्लू खिसकने नहीं देती है, साड़ी पर चूंदड़ी ओढ़े निकलती थी तब हरेक की आंखे सम्मान से झुक जाती थी और आज राम ही जाने।

इसलिए सुझाव है कम से कम समाज के प्रोग्राम में जब भी जाने का अवसर मिले पुरुष धोती कुर्ता और तिलक लगाकर जावे और महिला साड़ी और चूंदड़ी, देखने वाला कम से कम यह तो कहेगा कि सबसे समृद्ध और संपन्न समाज है, हम ही क्यों इतने बदल गए, न मुस्लिम, न बोहरा, न सिक्ख, न ईसाई, उनकी पहनाव से एक जुटता तो लगती है, प्रश्न चिह्न तो सनातन धर्म अनुयायियों पर लगता है.. जिसे हमें रोकना होगा।

आभार आप सबके पधारने का। साथ ही आप सबसे अपेक्षा कि इंदौर शाखा पूरे भारत में पथ प्रदर्शक बने ऐसे जिंदादिल मारवाड़ी यहां बस्ते है...जय हिंद जय भारत।

– डॉ. बनवारीलाल जाजोदिया यथार्थ
इंदौर, मध्य प्रदेश

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

रानीगंज शाखा ने कराया सामूहिक विवाह

रानीगंज के रानीसागर काटागोरिया स्थित बाजोरिया वृद्धाश्रम परिसर में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अंतर्गत पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया।

हिंदू रीति रिवाज के अनुसार विवाह हुआ। मौके पर पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नन्द किशोर अग्रवाल ने कहा कि उनका संगठन वर्ष भर कुछ न कुछ सेवा मूलक कार्य करते रहता हैं। जरूरतमंद बच्चों की स्कूल की फीस, पठन पाठन सामग्री, दवा देना, छात्रवृति दिया जाता हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह किया जाता हैं।

वहीं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन रानीगंज शाखा अध्यक्ष ओम प्रकाश जाजोदिया ने कहा कि लड़के-लड़कियों की शादी विवाह करवाना बहुत कठिन कार्य हैं। उन्होंने कहा कि हनुमान जी की कृपा से कठिन कार्य आसान हो जाता हैं। वर्ष २००२ से सामूहिक विवाह समारोह शुरु हुआ था। प्रत्येक वर्ष सामूहिक विवाह किया जाता हैं। आज ११ जोड़ा का विवाह हुआ। आज के सामूहिक विवाह को मिलकर कुल ५२७ जोड़ो का विवाह हुआ हैं। सामूहिक विवाह समारोह में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिनेश सराफ, रानीगंज शाखा अध्यक्ष ओम प्रकाश वाजोरिया, सचिव विमल अग्रवाल, आरपी खेतान, नरेश अग्रवाल, शंकर शर्मा, अनिल मोहनका, आनंद पारीक, प्रांतीय संगठन मंत्री उमेश खंडेलवाल, बांकुड़ा शाखा के सचिव मनोज बाजोरिया, सह कोषाध्यक्ष संतोष खेतान सहित अन्य मौजूद थे।

शोक संदेश

झारखंड प्रदेश के लोकप्रिय एवं यशस्वी समाजसेवी श्री महेंद्र भगानिया स्वामी जी झरिया निवासी के आकस्मिक निधन का दुखद समाचार रविवार दिनांक ११.५.२०२५ को प्राप्त हुआ।

सम्मेलन परिवार की ओर से श्रद्धांजली।

सुरेश चंद्र अग्रवाल झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव १३ अप्रैल को सम्पन्न हुए श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल विजयी हुये, २८ अप्रैल को महेश्वरी भवन रांची में पूरे झारखंड में हुए चुनाव की मतगणना हुई। सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बसंत कुमार मित्तल को ४९९ मतों से हराकर विजय हासिल की।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने सबों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस जीत को सदस्यों की जीत बताते हुए कहा कि सबों के सहयोग से मारवाड़ी सम्मेलन को और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ किया जाएगा। सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबंधित मेरी कुछ योजनाएं है, जिसे सबों के सहयोग से शत प्रतिशत पूर्ण करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। प्रत्येक जिला सम्मेलन के एक स्थाई परियोजना स्थापित करवाना। जैसे मारवाड़ी छात्र-छात्राओं हेतु राजस्थान छात्रावास, स्थायी चिकित्सालय आदि। राज्य स्तर पर वैवाहिक वेबसाइट बनाना ताकि समाज के लोगों को इसका लाभ मिल सके। स्वास्थ्य और शिक्षा पर दीर्घ अवधि योजना बनाकर समाज हित कार्य करना। मारवाड़ी समाज की संस्कृति, भाषा, मूल स्थान से जुड़ाव हेतु राज्य स्तर पर प्रकोष्ठ का गठन करना। संगठन की मजबूती हेतु कम से कम १५०० सदस्य इस सत्र में बनाना। अच्छे कार्य करने वाले जिला, शाखाओं, सदस्यों को अधिवेशन में पुरस्कृत करना आदि समाज की नीति निर्धारण एवं दिशा निर्देश हेतु सभी पूर्व अध्यक्षों की सर्वोच्च समिति का गठन करना।

प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद श्री अग्रवाल ने कहा कि यह पद मेरे लिए दायित्व है, अधिकार नहीं। मेरा प्रयास होगा कि सम्मेलन को एक नई दिशा दी जाए, जिसमें युवा, महिला एवं वरिष्ठ सदस्य सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो।

श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार महामंत्री विनोद कुमार जैन, प्रवक्ता संजय सर्राफ, जमशेदपुर के अध्यक्ष मुकेश मित्तल, धनबाद जिलाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि श्री अग्रवाल लंबे समय से सामाजिक सेवा, संगठनात्मक मजबूती और जन कल्याण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते आ रहे हैं।

श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल को जीत की बधाई देने वालों में - भागचंद पोद्दार, ओम प्रकाश अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी, पवन शर्मा, पवन अग्रवाल, विजय गोयल, प्रदीप मिश्रा, धर्मचंद पोद्दार, पवन पोद्दार, राजेंद्र केडिया, अशोक नारसरिया, कमलेश संचेती, अनिल अग्रवाल, कौशल राजगढ़िया, प्रमोद सारस्वत, विमल पोद्दार, निर्मल बुधिया, सुनील पोद्दार, अजय खेतान, विजय कुमार खोवाल, अरुण केजरीवाल, प्रकाश बजाज, किशन पोद्दार, दीपेश निराला, अंजय सरावगी, नरेश बंका, बबलू हरित, राजेश भरतिया, विकास अग्रवाल, नारायण महेश्वरी, कमल शर्मा, आदि शामिल हैं।

झारखंड के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल का संक्षिप्त परिचय

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल का जन्म २१ दिसंबर १९६१ को रांची में हुआ था। मूल रुप से आप राजस्थान में सीकर जिला के जोरावर नगर से हैं। आपके पिता स्व. बनवारी लालजी अग्रवाल हैं। आपने विज्ञान में स्नातक सेंट जेवियर कॉलेज, रांची से किया हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद आप इलेक्ट्रिक कांट्रेक्टर एवं सप्लायर के व्यवसाय से जुड़ गए। आपश्री का सामाजिक एवं सार्वजनिक क्षेत्र में काफी व्यापक अवदान रहा हैं। आपने कई संस्थाओं के महत्वपूर्ण पदों का निर्वाहन किया हैं, जिसमें कुछ मुख्य हैं - मारवाड़ी सहायक समिति, रांची, अग्रवाल सभा, रांची, कवि सम्मेलन आयोजन समिति, लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट, रोहिणी साइंस क्लब, रांची, झारखंड इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं बिहार राज्य जेसीस (वर्तमान में जूनियर चैम्बर) के पूर्व अध्यक्ष के पद का निर्वहन किया है। साथ ही आपने सम्मेलन से जुड़ने के बाद झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व संगठन मंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पद को सुशोभित किया हैं।

आपश्री ने झारखंड प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन, के पूर्व उपाध्यक्ष एवं झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व महासचिव, निरामया हॉस्पिटल, रांची एवं राणी सती विद्यालय, रांची के पूर्व सचिव, लालजी हीरजी नागरिक समिति के सचिव एवं झारखंड स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पूर्व सह सचिव एवं वाई'स मेंस क्लब के पूर्व जिलापाल के विभिन्न पदों पर अपनी सेवा प्रदान की हैं। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती मीना अग्रवाल एवं पुत्र अंशुमन अग्रवाल एवं सुपुत्री का नाम डॉ. सुरभि अग्रवाल है। सम्मेलन परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई!

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ प्रांत के अमर बंसल अध्यक्ष, जी जी अग्रवाल महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की छत्तीसगढ़ इकाई की नई कार्यकारिणी घोषित की गई। इसमें पूर्व पार्षद अमर बंसल अध्यक्ष बने हैं और सीए जी जी अग्रवाल महामंत्री नियुक्त किए गए। उन्हें सर्वसम्मति से यह जिम्मेदारी दी गई।

निवर्तमान अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंघानिया, कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी उपाध्यक्ष पिताम्बर अग्रवाल (चांपा), नारायण भूषणिया के साथ ही संगठन मंत्री, संयुक्त मंत्री सहित पूरी कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें कई सदस्यों को मौका मिला हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष अमर बंसल ने कहा कि समाजसेवा, युवा नेतृत्व को बढ़ावा देना, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए नई कार्यकारिणी काम करेगी। सभी पदाधिकारी एवं सदस्य मिलकर समाज के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

शीतल पेयजल की व्यवस्था

७ मई २०२५ को स्थानीय तहसील कार्यालय में संबलपुर शाखा द्वारा शीतल पेयजल मशीन जो कि श्रीमती अंगूरी देवी पंसारी द्वारा प्रदत का लोकार्पण किया गया, उक्त कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष श्री शीशराम अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष श्री मंगतूराम अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक जालान, CA जयदयाल अग्रवाल, प्रांतीय सचिव श्री कमल पंसारी, श्री मोजू पंसारी, श्री राजकिशोर अग्रवाल, श्री कैलाश अग्रवाल, श्री बांके अग्रवाल, श्री ललित अग्रवाल, श्री अशोक अग्रवाल, श्री महेश पलसानिया, श्री मनोज टिबड़ेवाल, श्री जय तुलस्यान, श्री अमित अग्रवाल, श्रीमती सरिता अग्रवाल, श्रीमती ममता अग्रवाल, श्रीमती राखी अग्रवाल, श्रीमती बिंदु अग्रवाल, श्रीमती संतोष त्याल, श्रीमती बबीता तुलस्यान, श्रीमती मोहिनी तुलस्यान, तहसील के कर्मचारी, अधिवक्ता, राहगीर, युवा मंच अध्यक्ष श्री चीकू अग्रवाल, सचिव श्री अनिल तायल, पूर्व अध्यक्ष श्री अंकित अग्रवाल, नवचेतना अध्यक्ष श्रीमती रीना भालोठिया, श्रीमती सोनल तायल, तथा बहु संख्या में लोग उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : उत्तर प्रदेश

वाराणसी शाखा की गोष्ठी सम्पन्न

उत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन की वाराणसी शाखा ने लक्सा स्थित श्रीनगर कॉलोनी होटल हरी विलास में मारवाड़ी समाज की गोष्ठी की आयोजित हुई जिसमें अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता प्रदेश, प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोपाल तुलस्यान उपस्थित हुए। शुरुआत अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी शाखा के अध्यक्ष अनुज डीडवानिया, महामंत्री हेमदेव अग्रवाल ने आए अतिथियों का माल्यार्पण, दुपट्टा ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। शिव कुमार लोहिया ने कहा पाकिस्तानी आतंकियों ने निर्दोष हिंदू पर्यटन की जघन्य हत्या के विरोध में मारवाड़ी समाज दुखी हैं। सभी ने प्रधानमंत्री से घटना में शामिल दुदान्त आतंकियों व पनाह देने वाले को कठोरतम सजा देने एवं पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित उनके शिविर को नेस्तनाबूद करने की मांग की। उनकी शांति के लिए २ मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। मारवाड़ी समाज हमेशा से सामाजिक सेवा समाज को देता रहा है, मारवाड़ी जो ठान लेता है वह करके रहता है। श्रीगोपाल तुलस्यान, केदारनाथ गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष गोकुल शर्मा ने कहा अर्थ तंत्र सनातन धार्मिक प्रवृत्तियों के जीने वाले मारवाड़ी हर समाज में एक दूसरे के साथ मिलकर रहने वाले हैं। वाराणसी अध्यक्ष अनुज डीडवानिया ने कहा भारत सरकार से हम सभी लोग मांग करते है राजस्थानी भाषा को अनुसूची में शामिल करना चाहिए। काशी क्षेत्र से निकलती है विकास की धारा। संचालक पवन अग्रवाल ने एवं धन्यवाद ज्ञापन हेमदेव अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में गोकुल शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रचार मंत्री सुरेश तुलस्यान, महेश चौधरी, दीपक अग्रवाल, कृष्ण कुमार काबरा, दिलीप खेतान, विजय मोदी, दीपक माहेश्वरी, अनिल सराफ, श्याम सुंदर अग्रवाल, राजेश कट्टानी, यदुदेव अग्रवाल सहित मारवाड़ी समाज के सदस्य उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

निल बटे सन्नाटा शिक्षाप्रद फिल्म प्रदर्शन

जनजातीय बच्चों के साथ शिक्षाप्रद मूवी देखा गया तथा इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर संघचालक महेश बिरला जी तथा बनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्र प्रांतीय संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप जी तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अभिनंदन समारोह

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा वर्ष २०२४-२५ में उत्तीर्ण मारवाड़ी समाज के डॉक्टरों का अभिनन्दन समारोह आबिड्स स्थित राजस्थानी स्नातक संघ भवन में आयोजित किया गया।

आरजीए हॉल में आयोजित अभिनंदन समारोह का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन अतिथि वरिष्ठ कंसलटेंट ऑनकोलॉजी डॉ. सचिन मर्दा, कंसल्टेंट इंटरबेंशनल कार्डियोलाजिस्ट डॉ. काला जितेन्द्र कुमार, जनरल सर्जन डॉ. मोहन गुप्ता, डॉ. आर.एम. साबू व अध्यक्ष रामप्रकाश भंडारी एवं परामर्शदाता रमेश कुमार बंग ने किया। अवसर पर युवा डॉक्टरों को संबोधित करते हुए सम्मानित अतिथि डॉ. सचिन मर्दा ने कहा कि डॉक्टर का प्रोफेशन बहुत ही अच्छा है और पहले कदम पर आप पहुँच गये हैं लेकिन आगे का समय काफी कड़ी मेहनत वाला और सीखने वाला होगा जो सभी को प्रोफेशनली काफी मजबूत बनाने का कार्य करेगा। डॉक्टरों के लिए जरुरी है कि वह स्थानीय भाषा को जानें ताकि रोगी की परेशानी को दूर करने में आसानी हो।

सम्मानित अतिथि डॉ. काला जितेन्द्र कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि डॉक्टरों को समाज में बहुत ऊँचा दर्जा दिया जाता है इसलिए जीवन में मानव सेवा माधव सेवा के लक्ष्य को लेकर कार्य करें। जीवन में वही सफल होते हैं जिनमें पैशन होता है। चाहे जिस फील्ड में हों, एक्सीलेंस का प्रयास करें।

सभी का स्वागत करते अध्यक्ष रामप्रकाश भंडारी ने करते हुए कहा कि डॉक्टर बनने के बाद जीवन में हमेशा मानव सेवा माधव सेवा को ध्यान में रखकर कार्य करें।

कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि डॉ. सचिन मर्दा, डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. मोहन गुप्ता, रामप्रकाश भंडारी, रमेश कुमार बंग व अन्य ने वर्ष २०२४-२५ में उत्तीर्ण डॉक्टर श्रुति बंग, डॉ. अदिति करवा, डॉ. आकांक्षा अटासनिया, डॉ. आयुषी लोहिया, डॉ. दीपिका दरक, डॉ. हरिता बजाज, डॉ. जयकिशन सोनी, डॉ. कृषि जाजू, डॉ. कुणाल अग्रवाल, डॉ. मधुसूदन लोधा, डॉ. महिमा करवा, डॉ. मुस्कान अग्रवाल, डॉ. पूर्वी बाहेती, डॉ. शिवांगी माहेश्वरी, डॉ. श्रुति लाहोटी, डॉ. श्रुति मनोज मूंदड़ा, डॉ. कवच गुप्ता, डॉ. साक्षी बजाज, डॉ. श्रीगोपाल धूत, डॉ. प्रगति मोदाणी, डॉ. सिमरन मोदाणी एवं डॉ. मुस्कान अग्रवाल का अभिनन्दन किया। अवसर पर डॉ. आर. एम. साबू का भी सम्मान किया गया। मंत्री अमित कुमार लड्डा ने सभी का आभार व्यक्त किया। अवसर पर रमेश कुमार बंग, रामप्रकाश भंडारी, सुमन हेडा, दीपक बंग, नरसिंगदास लोधा, सुरेश कुमार सारडा, राज बंग, राजेश मूंदड़ा, कृष्णा सारडा, सीए यश कासट, प्रणेश मूंदडा, रमाकांत इन्नानी, अजित वर्मा, पवन कुमार सोनी, राजेश कासट, सुमेश कुमार बंग, युगल किशोर वर्मा, राधेश्याम सारडा, अनिल लोहिया, घनश्याम तोष्णीवाल, विमल तोष्णीवाल, रमेश कुमार बंग, मदन व्यास, भरत सारडा, आनंद कुमार वर्मा, महेश बजाज व अन्य उपस्थित थे।

४४ सदस्य एक छत के नीचे, पिता को सौंपते हैं कमाई

नवलगढ़, शहर के वार्ड नंबर ४३ स्थित चैंलासी रोड कालबेलिया की ढाणी में रहने वाले सीताराम सैनी का ४४ सदस्यीय संयुक्त परिवार आज के दौर में परिवारिक एकता की मिसाल बनकर सामने आया हैं। ८० वर्षीय सीताराम सैनी व उनकी पत्नी ७५ वर्षीय गीता देवी अपने ९ पुत्र, ९ पुत्रवधुएं, ७ पौत्र, १४ पौत्रियां, १ पौत्रवधू, १ पड़पौत्र और १ पड़पौत्री सहित चार पीढ़ियों के साथ एक ही घर में रह रहे हैं। परिवार में कुल ४४ सदस्य हैं। इनमें से २८ सदस्य मतदाता हैं।

सभी पढ़े-लिखे लेकिन खेती और व्यवसाय को दिया महत्व

सीताराम सैनी ने बताया कि सभी पुत्र १२वीं से लेकर ग्रेजुएट तक शिक्षित हैं, लेकिन कोई भी सरकारी नौकरी में नहीं हैं। सभी भाई गुलाब की खेती, पेड़-पौधों की नर्सरी, पुष्प भंडार, डेकोरेशन, डीजे सेवा जैसे व्यवसायों से जुड़े हुए हैं। विशेष बात यह है कि सभी अपनी कमाई पिता को सौंपते हैं, लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि पैसा कहां खर्च हुआ। सैनी दंपती ने गर्व से कहा कि घर में कोई भी व्यक्ति बीमार नहीं है, और सभी उनकी सेवा भावना से देखभाल करते हैं।

हर दिन बनता है १८-२० किलो आटे का भोजन

गीता देवी बताती है कि दोनों समय का मिलाकर रोजाना १८-२० किलो आटा खाना बनाने में लगता हैं। घर में २० कमरे हैं, जहाँ सभी सदस्य एकजुट रहते हैं। भोजन व्यवस्था में अनुशासन इतना है कि हर बार चार-चार बहुएं रसोई की ड्यूटी पर होती हैं। एक ही चूल्हे पर सभी ४४ सदस्यों का खाना बनता है। दूध की आपूर्ति के लिए ४-५ गायें और भैसे हैं। जैविक खेती से पैदा होने वाला अनाज और सब्जी भी परिवार स्वयं उगाता हैं।

संयुक्त परिवार में बसते हैं संस्कार और संस्कृति

सीताराम सैनी का कहना है कि संयुक्त परिवार में ही बच्चों को अच्छे संस्कार मिलते हैं और हमारी भारतीय संस्कृति जीवित रहती हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब परिवार टूट रहे हैं, ऐसे में माता-पिता और बच्चों को जीवन भर साथ रहना चाहिए।

नृसिंह राजपुरोहित स्मृति कहाणी प्रतियोगिता में पुरस्कृत कहाणी

‘पगां बायरी दौड़’

– ओमप्रकाश भाटिया

विनोद आज सुबै सुबै बेगो उठ्यो अर काम में लागग्यो। लिस्ट चेक करणी, फोन करणा, सगळो इंतजाम देखणो, कीं सेळ काम नीं है। लारले तीन दिनां सूं लगोलग इणी काम में लाग्यौड़ो है। चार सौ जणां रो खाणों, पुजारी, सुंदरकांड पार्टी, टेंट, लाइट्स, कैटर्स, मैन्यू बणावणो। इणरै इतर चार सौ जणां री लिस्ट त्यार करणी। जिणमें कठै ई कोई वीआईपी छूट नीं जावै। इणरो चेतो राखणो घणो ओखो काम है।

कुसुम कह्यो हो, ‘रोहन नै बुलायल्यो, मदद होय जासी। इतो मोटो फंक्सन करो हो जै आपणो टाबर बारै है तो आ झबाझब किण काम री। वो तो अठै होवणो इज चाइजै।’

विनोद उणनै फोन कर्यो। पण आजकाल रा टाबर इण बातां नै समझे कठै! पापा म्हारो यूनिवर्सीटी री क्रिकेट टीम में सलेक्सन होयग्यो है। प्रेक्टिस सेसन चालू है। म्हूं कोनी आय सकूं।

“दोय दिनां रो इज तो काम है पाछो जाइजे परो।”

“दो दिनों में किणी दूजै रो सलेक्सन कर लेसी। कितो कंपीटीसन है। आप समझो कोनी इण बात नै।”

“बेटा अठै वीआईपी आसी। थारी ओळखाण होसी उणासूं।”

“यार अबार टेम कोनी बठै आण नै। जिको करणो व्हे आप आपरै माथै करल्यो।” आजकाल री पीढी कंपीटीसन अर केरियर में अळूज्योड़ी रेवै। बापड़ी नै इणसूं आगै कीं नीं दीसै। परवार अर उणरै हीले-हेत सूं की लेणो देणो नीं है। खुद नै दूजै सूं आगे लेय जाणो है। एक दौड़ है जिणरो कोई अंत नीं है। एक जिंदगाणी कम पड़ जावै। जिण जमीं नै हासल करण नै उमर भर अपणां नै, अपणै आप नै भूल अर दौड़तो रेवै। जिंदगाणी री सिंझ्या तई थाक अर हेठो पड़े जद सगळी जमीं तो अठै इज रैय जावै।

विनोद निसासो न्हाख्यो। अबै सगळो काम उणी नै करणो है।

डबल ए ठेकेदार तई पूगण सारूं विनोद घणी मेणत करी ही। इणरै माथै आपरो वर्चस्व अर सैर-जिले में नांव बणावण री मेतवकांक्षा रैई। पइसा तो घणा ई कमा ले पण नाम कमाणो, इण हड़कबा उठियोड़ी दुनिया में आपरी ठौड़ बणावणी दौरो काम है। हर किणी रै बस री बात कोनी। विनोद इण सारूं केई जतन कर्या। वो राजनीतिक दलां सूं जुड्यो। जुगाड़ कर उण दल रो नगर अध्यक्ष बण्यो। ठेकेदारी नै आगे बधावण में राजनीतिक परभाव रो उपयोग कीनो। टेंडर भरण आपसूं ऊंचे रै हाथाजोड़ी करतो थाक्योड़े ठेकेदार नै दबाय देतो। आपरै संपर्कां अर ठोड़ नै पक्की करण नै उण एक फार्म हाउस खरीदण री तै करी।

फार्म हाउस आजकाल एक स्टेट्स सिंबल है। हर नेता हर बडो पड़से आळो खरीदे तो उणरो रौबदाब, दबदबो, पूछ बढ़ जावै। काम कढ़ाण नै बठै पार्टियां देवणी आम बात है। नेतागिरी अर ठेकेदारी रो धंधो तो चाले इज इण पार्टियां माथे है। अफसरां अर नेतावां ने राजी राखणा धंधे रो पेलौ मंतर हैं। कारोना रै पछे जमीनां रा भाव पाछा बधग्या। हल्के पतळे रै जमीं जायदाद खरीदणी बस री बात नीं है। विनोद रै ई पइसा कम पड़ग्या। पैली तो घणाई ताफड़ा तोड़्या कै कठै सूं पइसां रो जुगाड़ होय जावै पण नाको लागो कोनी। छेकड़ पापा नै कह्यो। उणा रै एक इज बेटो हो। रामप्रसाद उमर भर मास्टरी री नौकरी करी। टाबर पाळ्या अर मायतां री गांव री जमीन नै बणाय राखी। कदै खोळ सूं बारै आवण री हिम्मत ई नीं हुई। केवो तो जरूरत ई नीं पड़ी। बेटो आगे बढ़ण री हिम्मत करै है तो टेको लगाणो इज चाईजे। वो पड़सो खोटे काम में उड़ा नीं रेयो है। रामप्रसाद आपरी बचत रा पइसा देवण रै साथै साथै गांव री जमीं बेचण नै राजी होयग्या। उणा कह्यो, ‘दीकरा म्हूं तो पचहतर बरस ले लिया है। अबै म्हारै कितोक जीवणो। सें की है वो थारो इज तो है। म्हैं किसी छाती पर ले जास्यूं। अबार थारै काम आवै तो इणसूं चोखी बात और कांई होय सके। उणा सैजता सूं दस्तखत कर दीन्हा अर विनोद एफड़ी रा पइसा अर गांव री जमीं बेच फार्महाउस खरीद लियो। जद खरीद लियो है तो उण नै दिखाण सारूं रोबदाब सारूं चार मिनखां ने भेळा करणा ई जरूरी है। इयां इज तो सै'र, जिला अर समाज में पोजीसन बणसी। विनोद फार्म हाउस में जरूरी काम करवाया। छोटो सो एक मंदर बणवायो। उणमें हड़मान जी री मूर्ति थापित की। उण री प्राण प्रतिष्ठा रो कार्यक्रम हो। सुंदरकांड पाठी बुलाया। इतरै पर सगळां नै कियां बुलाइजै। जणै महापरसाद रो निमंत्रण देवणो चाइजे। इण बहाने नेतावां अफसरां अर नामी गिरामी लोगां नै न्यूतणो चाइजे जणै वै सगळा फार्महाउस आवै अर उणा नै आपरो स्टेटस बतावै। जणै इज उण री लिस्ट में सांसद, विधायक, कलेक्टर, एसपी, पत्रकार दोनूं प्रमुख राजनीतिक पार्टियों रा नेता अर रिस्तदार सामल हा। नांव अर मोबाइल नंबर लिख'र सगळां नै कॉल करणो लारले तीन दिन सूं चाल रह्यो हो। वो मंदर अर मूर्ति रै काम ज्यूं पुजारी, जापिया, सुंदरकांड पार्टी, टेंट, डेकोरेसन वाळा, कैटर्स, फूलों वाळा आद दूजी व्यवस्थावां में लाग्यो रेयौ। उणरो कींक स्टाफ हो जको उणरी मदद करतो हो।

आज तो बेगो पूगणो इज हो। वो कुसुम नै नास्तो त्यार करण नै कैय न्हाण नै गियो। पाछो आय पापा नै कह्यो, ‘आप सिंझ्या रा छः बज्यां त्यार रैया। म्हूं गाड़ी भेज देस्यूं। आय जाय।’ पापा ई आज मोद में लाग रैया हा। क्यूं नीं व्है। दीकरे रो नांव बणै तो किण बाप नै हरख अर गिरबो नी हुवै। सगळां नास्तो कियो। दिन रै सारूं कुसुम पापा रै ब्रेड बटर फोइल पेपर में राख्या। गाडी लेय'र विनोद अर कुसुम फार्म हाउस रवाना हुयग्या।

रामप्रसाद निचिंता होय ड्राइंग रूम में पसरग्या। उणा तै कियो कै सिंझया रा गायत्री रो लायोड़ो कुर्तो पायजामो अर सदरी पै'र लेसूं। गायत्री रै गियां पछे वो एकला रैयग्या हा। पण वो उणरै लायो कपड़ां नै पै'र उ नै आपरै साथै मैसूस करै। वे चावता हा कै आज गायत्री रा लायोड़ा कुर्ता-पायजामो सदरी पै'र फार्म हाउस जावै। गायत्री सूं केवै कै देख थारै बेटे कितो बड़ो नांव कियो है। ओ फार्म हाउस थारो है। थारी उमर भर री बचत अर मायतां री जमीन रा पइसा लायौड़ा है। तू सुरग में बैठी राजी होसी के जिको बड़ा बड़ा मिनख आपां रै अठै आया है, विनोद रै रसूकात रै कारण आया है। उण आपरी ठावी ठौड़ बणायी है। ... आज तो नास्तो ई लूंठो कर लियो। सिंझया रै छः बज्यां तो जावणो इज है। बठै भारी खाणो होसी। यूं तो अबै रात रो खाणो पचे कोनी पण

Yours Tastefully
Anmol
TM
Enjoy Great Taste with Good Health
Anmol FruitBix
Original Taste of Bakery
Anmol dream LITE
Anmol Marie Plus
Ultra light tea time bite
With Best Compliments from:
Anmol Industries Ltd.
BISCUITS, CAKES & COOKIES
BISCUITS
For your comments, complaints and trade related queries write to us at info@anmolindustries.com
or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

आज तो जीमणो इज पड़सी। उणा टीवी चालू करयो अर क्रिकेट मेच देखण लाग्या।

विनोद फार्म हाउस पूग'र काम में लागग्यो। अजै ई उणरै हाथ में लिस्ट ही। फोन करतो जावतो अर टिक करतो जावतो। साथै साथै स्टाफ, कैटर्स, टेंट हाउस डेकोरेसन वाळां नै निरदेस देवतो। मंदर नै फूलां सूं सजाइज्यो। पंडत जी तीन बज्यां आयग्या। पैलां गृह सांति करवाई, पछे प्राण प्रतिष्ठा सारूं जग्य सरू हुवो। विनोद अर कुसुम वेदी में बैठा। पूजा की। पांच बज्यां ताई कार्यक्रम पूरो हुवो। पछे सुंदरकांड रो पाठ सरू होयग्यो। अबे टेम कम बच्यो हो। विनोद पाछो काम में लागग्यो। उण स्टाफ नै न्यारी न्यारी जिम्मेवारियां दे राखी ही। एक आदमी केटर्स कनै, एक टेंट हाउस अर डेकोरेसन वाळे कनै, दो जणा पंद्रह किलोमीटर दूर सै'र सूं सामान लावण ले जावण सारूं लाग्योड़ा हा। विनोद ओ देखतो हो कै कोई वीआईपी कठै छूट नीं जाय। उण रै मगज में आ टेंसन ही कै कठै कोई छूटग्यो तो उण री नाराजगी झेलणी मुस्कल होय जासी। पापा रो कॉल आयो पण उण काट दियो कै थोड़ी देर में स्टाफ ने भेज देस्यूं अजै दूजा जरूरी काम घणा है।

इणी बीच विनोद ने बेरो लाग्यौ कै सै'र में मंत्री जी आण वाळा है। उणनै लाग्यो कै मंत्री जी अठै आय जावै तो उणरी शान में चार चांद लाग जासी। उणरो मान अर रुतबो जबर बढ़ जासी। केई मिनख उणसूं इरखो राखै अठै आण नै मजबूर होय जासी। उणा री छाती पर धमीड़ा बाजसी। पुलिस अर परसासन उण पर हाथ घालता दस बार सोचसी। विनोद एमएलए साब सूं संपर्क कीयो। वांने मंत्री जी ने अठै बुलाण खातर राजी किया। इण तरै खुद भी आधा घंटा लगातार कोसिसां कर मंत्री जी तई पहूंच बणाई अर वांने आण रो निजी तौर पर आग्रह कीनो। पीए उणने खुद दुलाण आण सारूं सात बज्यां री टेम दीवी।

अबे वो मंत्री जी अर वारै लवाजमे रै स्वागत री त्यारी करण लाग्यो। फूल अर फूलमाळावां और मंगवाई। फ्रूट अर ड्राई फ्रूट मंगवाया। रिबन अर कैंची मंगवाई। मंत्री जी आया तो केई फालतू लोग ई बिना बुलायां ई आय जासी। जिणा ने मंत्री जी री नजरां में आणो है। बैठण री वीवीआईपी जगै बणाई। इण सारी व्यावस्थावां में छः बजगी। सात री टेम दी है तो साढ़े छः तो उण नै बठै पूग जावणो चाइजै। जद वो लारले सगळे काम काज री स्टाफ ने निरदेस देण लाग्यो तो कुसुम उण नै पापा जी नै लाण सारूं कह्यो। 'ठीक है म्हूं पाछो आयर गाडी भेजूं।' कुसुम कीं केवती जिते तो वो गाड़ी लेय'र रवाना होयग्यो। वो टेम सूं पैला सर्किट हाउस पूग जावणो चावतो। जठै मंत्री जी बिराज्या हा। पीए नै आपरो कार्ड देय बाट देखण लाग्यो। एक घंटे रै इंतजार बाद मंत्री जी आपरी गाड़ी में लवाजमे सहित उण रै साथे रवाना हुया।

मंत्री जी रै आवण री खबर सुण फार्म हाउस में अणूती भीड़ होयगी। फूल बरसाय माळावां पेराय जिंदावाद रा नारा साथै मंत्री जी रो स्वागत हुयो। वां सूं फीतो कटवायो। वारै साथै ई एमपी अर एमएलए साब रो ई स्वागत कियो। कलेक्टर, एसपी अर दूजा डीएलओज बठै पूगोड़ा हा। छुटभैया नेता मंत्री जी रै इर्द गिर्द जमा होयग्या। मंत्री जी अर उणरै कारवां ने गुलमोहर, पारिजात, बादाम, आम, वटवृक्ष आद रै साथै गुलाब, जूही, रातरानी, मेंहदी, मोगरा आद फूलों रै पौधों रै बीच सूं मंदर तईं लेग्यो। वो सावधानी सूं आ देख रह्यो हो कै सैं लोग इण रूंखां ने इण पौधों ने इण फार्महाउस ने उणरै ठाठबाठ ने देख ले। मंत्री जी रै हाथां पुजारी ने कैय पूजा करवाई। स्विमिंग पूल, जिम, थियेटर, सगळो फार्म हाउस दिखायो। वो खुद नै झिलमिलाती रोशनी रै बीच आकाश गंगा में उडतो सो मैसूस कर रह्यो हो। विनोद रा पग जमीं पर नीं हा। उणरै असवाड़े पसवाड़ें एक तिलस्म सो तारी हो। वो उण सबने देख गद्‌गद् हो रह्यो हो। वो घड़ी घड़ी आ नोट करण री कोसिस कर रह्यो हो कै सगळा लोग मंत्री जी अर दूजा वीआईपीज रै आयां पछे फार्म हाउस नै देख उणने किण निगाह सूं देख रह्या है। उणरो कितरो रोब पड़ रह्यो है। उण न्यौरा कर कर सबने भोजन करवायो। पूरो ध्यान राख्यो कै कठै कोई कमी नीं रैय जावै। इण बीच पापा रो फोन आयो तो उण काट दियो। अबार कठै टेम है। इणा रै सामी मोबाइल पर बात करणी चोखी नीं लागै। इणा रै गियां पछे बुला लेस्यूं। जद के मंत्री जी, वांरो पीए, एमपी, एमएलए, कलेक्टर, एसपी, पार्टी रा जिलाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष आद आपस में बात करता विनोद ने अपूठो कर दियो। केई बार विनोद उणारी बेरुखी सूं खुद नै अपमानित मैसूस कियो तोई उणारै बीच चिरोरी करतो हैं-हें करण लागतो। लिलका कर वारै सामी देख वारै चैरे रो तापमान देखण लागतो। केई लोगां रो अठे आवण रो मकसद मैतवपूर्ण लोगां सूं मिळ'र संपर्क बणाण रो मौको हो। वे उणनै लपकण नै लाग्योड़ा हा।

मंत्री जी अर वीआईपीज रै जावण रै पछे विनोद कुसुम रै सामी देख्यो। कुसुम रिस्तेदारां अर दूजां लोगां नै अटेंड करण नै लाग्योड़ी ही। इग्यारह बजण वाळी ही। अबै भीड़ घणी कम होयगी ही। सुंदर कांड पार्टी पाठ पूरो कर खाणो खाय जाय चुकी ही। माराज अर जापिया जीम जूठ निकळग्या। विनोद केटर्स अर स्टाफ रै साथे फिर जायजो लियो। सैं की ठीक हो। कठैई कीं कमी नीं हीं। सगळो काम व्यवस्थित तरीके सूं संपूरण होय चुक्यो हो। मन में एक सुकून हो कै आज मंत्री जी अर जिले रा नामी गिरामी लोग उणरै अठै आया हा। सगळे विभागां रा हेड जठै सूं उण नै ठेका मिळै, वे ई हा। ढेर सारा लिफाफा अर गिफ्ट आया हा। बारह बजते-बजते सैं कीं सिमटण लाग्यो। विनोद, कुसुम अर स्टाफ जीम लिया। विनोद स्टाफ नै बच्योड़े समेटा समेटी री भळवाण देय गिफ्ट अर लिफाफा गाड़ी में रखवा दिया। पूरै फार्म हाउस पर उडती सी निजर न्हाखी। गर्व सूं कुसुम सामी देख्यो। आंख्यां सूं पूछयो। कांई! किस्योक लाग्यो। माने है नीं! कुसुम उणरी नजर नै पिछाणती ही। वा मुळकण लागी। सेवट दोनूं गाड़ी में बैठ रवाना होयग्या।

फाटक खोल गाड़ी पार्क की। चिकडोर हटाय मांय आया तो देख्यो पापा ड्राइंग रूम में इज हा। टीवी धीमी आवाज में चाल रई ही। वो कुर्ता पायजामो अर सदरी पै'र छड़ी सोफे रै किनारे पर टिकाय बाट देखता भूखा तिरस्या बैठा-बैठा सोयग्या हा। उण गौर सूं देख्यो, वै एक मूर्ति ज्यूं लाग रह्या हा। मन में एक खड्ड सी पड़गी। जिणरै कारण ओ फार्म हाउस बण्यो। वो रोबदाब दिखाण री थिति में आयो। वो ई घरां बाट देखता रैयग्या। दिन भर उणा उणनै फोन कीना पण वो दूजां री सेवा में लाग्योड़ो रैयो। खलकां नै बुला बुला अर न्यौरा कर जीमावतो रह्यौ। अठै खुद उणरा पापा भूखा रैयग्या। वै तो दवा ई नीं लेय सक्या व्हैला। कुसुम उणनै औलूम्भे री मींट सूं देख्यौ तो वो उण सूं नजर ई नीं मिळा सक्यो। उणरो डील भारी पड़ग्यो। हिल नी सक्यो। वो हेठो बैठ पापा रै पगां नै झाल फफक-फफक रोय पड्यो।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्रीमती रितु बिहाणी कुमार पाड़ा, पांचाली, गुवाहाटी, असम	**श्री रोबिन बुकलसरिया** पो.- नहरकटिया, डिब्रूगढ़, असम	**श्रीमती रोहिणी पोद्दार** मे. सी. एल. इंटरप्राइज ए. टी. रोड, डिब्रूगढ़, असम	**श्री रोहित कुमार मित्तल** वार्ड नं.-१२, बोंगाईगांव, असम	**श्री रोशन अग्रवाल** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम
श्री रोशन अगरवाला पो.- बिदुबार, शिवसागर, असम	**श्रीमती रूपा गग्गड़** पान बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्री सविता देवी जाजोदिया** वार्ड नं.-५, बरपेटा, असम	**श्री सचिन भरतीया** पो.- नहरकटिया, डिब्रूगढ़, असम	**श्री सज्जन कुमार बाजारी** ए. टि. रोड, तिनसुकिया, असम
श्री सज्जन कुमार मित्तल डिगबोई रोड, तिनसुकिया, असम	**श्रीमती सम्पत चाण्डक** वृंदावन पथ, गुवाहाटी, असम	**श्री संदीप केजरीवाल** द्वारा - जमुना लाल एण्ड कं. डिब्रूगढ़, असम	**श्री संदीप स्वामी** पो.-शिमालुगुड़ी, शिवसागर, असम	**श्री संदीप कागलीवाल** मे. असम ग्लास हाऊस, डिब्रूगढ़, असम
श्रीमती संगीता बैद टोकोबाड़ी सत्ता, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती संगीता मित्तल** ओम सुर्य अपार्टमेंट, गुवाहाटी, असम	**श्री संजय अग्रवाल** मे. दिपक स्टोर, शिवसागर, असम	**श्री संजय अग्रवाल** जी. एस. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री संजय अगरवाला** मे. संजय हार्डवेयर, शिवसागर, असम
श्री संजय अगरवाला मे. सनराइज टि. फार्म, डिब्रूगढ़, असम	**श्री संजय अगरवाला** मे. तिनाली टी.ई., डिब्रूगढ़, असम	**श्री संजय भरतीया** मे. संजय स्टेशनरी, शिवसागर, असम	**श्री संजय भरतीया** मे. गोविन्दी देवी इंटरप्राइजेज, डिब्रूगढ़, असम	**श्री संजय भरतीया** मे. रुपश्री फर्नीचर हाऊस, डिब्रूगढ़, असम
श्री संजय सराफ पो.- सोनारी, शिवसागर, असम	**श्री संजय शर्मा** ए. टि. रोड, जोरहाट, असम	**श्री संजय तोदी** पो.- हैबरगांव, नगाँव, असम	**श्रीमती संतोष बंसल** स्टेशन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती संतोष दमानी** हाउस नं.-६, गुवाहाटी, असम
श्रीमती संतोष धानुका हेमोप्रभा अपार्टमेंट, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती संतोष शर्मा** ए. के. देव पथ रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती संतोष तोदी** पो.- शिमालुगुड़ी, शिवसागर, असम	**श्रीमती संतोषी देवी लड़सरिया** फाटासिल अम्बारी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती संतोषी खेमका** द्वारा - जी. एस. खेमका, बरपेटा, असम
श्रीमती संतु अग्रवाल बाई लेन-५, गुवाहाटी, असम	**श्री सांवर मल गुप्ता** मे. शिवा स्टोर, तिनसुकिया, असम	**श्रीमती सरिता मोहता** द्वारा - मेडिको, लखीमपुर, असम	**श्रीमती सरिता संचेती** उल्लु बाड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सरला काबरा** टि. आर. फूकन रोड, गुवाहाटी, असम
श्रीमती सरोज अग्रवाल पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश	**श्रीमती सरोज जैन (बररिया)** मे. अरिहंत एडवर्टाइजिंग एजेंसी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सरोज खेतान** मे. सी. आर. स्टील, लखीमपुर, असम	**श्रीमती सरोज मित्तल** मितल सदन, गुवाहाटी, असम	**श्री सतीश कुमार अगरवाला** मे. असम मेडिकोस, डिब्रूगढ़, असम
श्री सतीश कुमार सिंघानिया पो.- नाहोलिया, डिब्रूगढ़, असम	**श्री सतीश शर्मा** भांगागढ़, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सीमा सोमानी** टी.आर. फुलन रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सीमा सोनी** ओम सुर्या अपार्टमेंट, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती शकुंतला भेमानी** मे. मीनाक्षी टूर एण्ड ट्रेवल्स, गुवाहाटी, असम
श्री शंकर लाल बेरिया पो.- शिमालुगुड़ी, शिवसागर, असम	**श्री शांति लाल पुगलिया** मे. धनलक्ष्मी ट्रांसपोर्ट, नगाँव, असम	**श्रीमती सारदा केडिया** आनंद कुंज, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सारदा खाखोलिया** फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्री श्रवण अग्रवाल** ए. टि. रोड, तिनसुकिया, असम
श्रीमती शीला अग्रवाल मे. अग्रवाल एण्ड सन्स, बरपेटा, असम	**श्री शिल्पी सेठी** बंदर देवा, लखीमपुर, असम	**श्री शिवरतन भट्टर** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्री शिव प्रसाद भिमसरिया** मे. रितुश्री साड़ी कलेक्शन, गुवाहाटी, असम	**श्री श्रवण सिंह** पो.- सोनारी, शिवसागर, असम
श्री श्रीपाल बोथरा पो.- होवली, बरपेटा, असम	**श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** पो.- नामरूप, डिब्रूगढ़, असम	**श्री श्याम सुन्दर चाण्डक** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्री श्याम सुन्दर शर्मा** बरपेटा, बरपेटा रोड, असम	**श्री श्याम लाल अगरवाला** पो.- सनतक, शिवसागर, असम
श्री सिद्धार्थ बुकालसरिया मे. पूर्वांचल स्टील, डिब्रूगढ़, असम	**श्रीमती शितल सोमानी** मे. शंकर ट्रेडिंग को., डेरगांव, असम	**श्री सोहनलाल अग्रवाल** मे. प्रकाश क्लॉथ स्टोर, डिब्रूगढ़, असम	**श्रीमती सोनिका बजाज** गुवाहाटी, फाटाशील, असम	**श्रीमती सोनू शर्मा** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश
श्री सुभाष कुमार शर्मा ए. टी. रोड, तिनसुकिया, असम	**श्री सुभाष चन्द्र अगरवाला** मे. कदम्बा टी कंपनी, डिब्रूगढ़, असम	**श्री शुभकरण मालू** एस. आर. सी. बी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सुलोचना नागोरी** काबरा भवन, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सुमन साबु** जी. एस. रोड, गुवाहाटी, असम
श्रीमती सुमन शर्मा हाउस नं.-१२, गुवाहाटी, असम	**श्री सुमित अगरवाला** मे. टिकॉम मेडिकल, ए. टी. रोड, डिब्रुगढ़, असम	**श्री सुमित अगरवाला** अलिमुर, डिब्रूगढ़, असम	**श्रीमती सुमिता चाण्डक** अठगाँव, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सुमित्रा काबरा** असम इस्पात बिल्डिंग, गुवाहाटी, असम
श्री संदीप गुजरानी मे. हाईटेक कंप्यूटर्स, ए. टी. रोड, नगाँव, असम	**श्री सुनिल अग्रवाल** तिनसुकिया, लेडो बाजार, असम	**श्री सुनील भरतीया** द्वारा - पायल, डिब्रूगढ़, असम	**श्री सुनील भिमसरिया** पो.- होजाई, नगाँव, असम	**श्री सुनील झावछरिया** पो.- होजाई, नगाँव, असम
श्री सुनील कुमार प्रिथानी वार्ड नं.-१, जोरहाट, असम	**श्री सुनील लाहोटी** पो.- शिमालुगुड़ी, शिवसागर, असम	**श्रीमती सुनीता अगरवाला** गुवाहाटी, शांतिपुर, असम	**श्रीमती सुनीता जोगानी** फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्री सुरेन्द्र भिमसरिया** पो.- होजाई, नगाँव, असम

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री सुरेन्द्र कुमार अगरवाला मारवाड़ी पट्टी, छापरमुख, असम	**श्री सुरेन्द्र कुमार सरावगी** चिनापट्टी, तिनसुकिया, असम	**श्री सुरेन्द्र वर्मा** डिकॉम, डिब्रूगढ़, असम	**श्री सुरेश अग्रवाल** पो.- नामरूप, डिब्रूगढ़, असम	**श्री सुरेश चौधरी** पो.- बरपेटा रोड, बरपेटा, असम
श्री सुशील बुकलसरिया पो.- नहरकटिया, डिब्रूगढ़, असम	**श्री सुशील गगर** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** मे. मैट्रो मोटर्स कं., गुवाहाटी, असम	**श्री सुशील कुमार गोयल** मे. गोयल मोटर स्टोर, ए. टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री सुशील कुमार जैन** मे. ग्रीन टी इंडिया, तिनसुकिया, असम
श्री सुशील लोहिया ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्रीमती सुशीला गुप्ता** असोमी पथ, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती स्वीटी कुमारी जैन** गुवाहाटी, असम	**श्री ताराचन्द अग्रवाल** पो.- सोनारी, शिवसागर, असम	**श्री ताराचन्द लुनका** पो.- सोनारी, शिवसागर, असम
श्री तिलोक चन्द सेठिया पो.- हैबरगाँव, नगाँव, असम	**श्री टिंकु कनोई** पो.- माकुम, तिनसुकिया, असम	**श्रीमती तिशा सर्राफ** पापुम पेयर, बंदरदेवा, अरुणाचल प्रदेश	**श्री त्रिलोक चन्द सिंघाल** पो.- माकुम, तिनसुकिया, असम	**श्रीमती उमा शर्मा** फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम
श्री उमाशंकर मोर मे. भगवती, गुवाहाटी, असम	**श्री उमेद कुमार दुग्गड़** पो.- फुलागुड़ी, नगाँव, असम	**श्री उमेश भरतिया** मे. भवानी ट्रेडर्स, डिब्रूगढ़, असम	**श्री उमेश मूँधड़ा** ए.टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्रीमती उर्मिला मित्तल** टी. आर. फुकन रोड, गुवाहाटी, असम
श्रीमती उषा देवी लोहिया पो.- हैबरगांव, नगाँव, असम	**श्री उत्तम अगरवाला** पो.- शिमालुगुड़ी, शिवसागर, असम	**श्री उत्तम शर्मा** मे. शर्मा होटल, डिब्रूगढ़, असम	**श्रीमती वन्दना बगड़िया** एन. एस. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती वन्दना बिहाणी** अठगांव, गुवाहाटी, असम
श्रीमती वन्दना सोमानी टी. आर. फुकन रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री विजय अग्रवाल** पो.- नामरूप, डिब्रूगढ़, असम	**श्री विकाश चाण्डक** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्री विकाश जैन** ए. टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री विकाश कुमार अग्रवाल** मारवाड़ी पट्टी, छापरमुख, असम
श्री विक्रम करवा धिंग रोड, नगाँव, असम	**श्री विनीत चूड़ीवाला** विष्णुपुर मेन रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री विनोद कुमार कनोई** ए. टी. रोड, तिनसुकिया, असम	**श्री विनोद कुमार लोहिया** कुबेर कम्पलेक्स, जोरहाट, असम	**श्री विनोद कुमार तापड़िया** पो. शिमालुगुड़ी, शिवसागर, असम
श्री विष्णु बंसल पो.- रंगापाड़ा, सोनितपुर, असम	**श्रीमती वृंदा सेफाली गगर** बी. आर. पी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती वर्षा सर्राफ** पापुम पेयर, बंदरदेवा, अरुणाचल प्रदेश	**श्री योगेश कुमार अग्रवाल** पो.- माकुम, तिनसुकिया, असम	**श्रीमती अलका जालान** आशा काम्पलेक्स, तुलसी राम रोड, तिनसुकिया, असम
श्री अनिल जालान मे. दुर्गा फार्मास्यूटिकल्स तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री अनिल शर्मा** ए. टी. रोड, टिओक, जोरहाट, असम	**श्री अनुप जालान** मे. असम हार्डवेयर स्टोर्स, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री अरूण कुमार माहेश्वरी** द्वारा- मगनीराम माहेश्वरी खारूपेटिया, दरंग, असम	**श्री अरुण टिबड़ेवाल** मे. पूनम फर्निसिंग, मेन रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम
श्रीमती आशा विर्मीवाल मे. कृष्ण ट्रेडर्स, ए.टी. रोड, तिनसुकिया, असम	**श्रीमती आशा मुरारका** रॉयल इंक्लेव, एस. सी. रोड, अठगाँव, कामरूप, असम	**श्री अशोक खेतावत** मे. पुर्वांचल उद्योग, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री अशोक कुमार जैन** मे. ए.के.जैन एण्ड संस ज्वेलर्स, एम. डी. रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्रीमती बबीता अग्रवाल** मे. मार्बल्स एण्ड ग्रेनाइट, तिनसुकिया, असम
श्रीमती बबीता गोयल कशराम नगर, बिष्णुपुर, मेन रोड, कामरूप, असम	**श्रीमती बबीता लोहिया** अमन टावर, मानव कल्याण रोड, तिनसुकिया, असम	**श्री बसंत सरावगी** मे. सरावगी केमिकल एजेन्सी, एन. टी. रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री भंवर सिंह राजपुरोहित** मे. काजिरंगा हार्डवेयर, मेन रोड, सोनारी, शिवसागर, असम	**श्री भरत शर्मा** मे. श्री श्याम इलेक्ट्रिक, नामटोला रोड, सोनारी, शिवसागर, असम
श्री बिजय बुचा २ए, रॉयल रेसीडेंसी, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री चंदन सिंघानियाँ** मे. सुजाता ट्रेडर्स एजेन्सी, बरुआ रोड, नलबाड़ी, असम	**श्री दीपक केजरीवाल** सारदा शरणम, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री दीपक टिबड़ेवाल** मे. जी. बी. संस, थाना रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री धर्मेंद्र बोथरा** मे. श्री महावीर एजेंसी, के. सी. रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम
श्री दिलीप कुमार पाटनी मे. राजधानी ट्रैक्टर्स, एन. टी. रोड, तेजपुर, सोनितपुर, डिब्रूगढ़, असम	**श्री दीन दयाल असोपा** मे. हनुमान पापड़ भण्डार, एन. बी. रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** वार्ड नं.-४, रंगीया, कामरूप, असम	**श्रीमती डॉली अग्रवाल** मे. श्याम इंटरप्राईजेज, मानव कल्याण नामघर रोड, तिनसुकिया, असम	**श्री घनश्याम सोमानी** मे. सोमानी इंटरप्राईजेज, एन.बी. रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम
श्री गोपाल कृष्ण तापड़िया रामालय, एम. ए. पथ, रेहबाड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्री इंद्र शर्मा** रबड़ बागान, लीचु बागान, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री जितेन्द्र बोराड** मे. लक्की फुटवेयर, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री जोगिन्दर त्याल** मे. न्यु त्याल शॉप, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री जुगल किशोर डागा** मे. मनपसंद स्वीट्स, एन. सी. रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम
श्री कैलाश शर्मा मे. बजरंग होटल, नामटोला रोड, सोगरी, शिवसागर, असम	**श्री कमल जालान** कर्णीमाता कलोनी, ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्री कमलेश सुरोलिया** द्वारा - जुहरमल मुरलीधर, पो. माकुम, तिनसुकिया, असम	**श्री कृष्ण गोपाल टिबड़ेवाल** गणेश मिल कम्पाउंड, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री कुंज बिहारी अग्रवाल** मे. कुंज हार्डवेयर स्टोर, तेजपुर, सोनितपुर, असम
श्रीमती ललिता कनोई ललित कुंज, मानव कल्याण नामघर रोड, तिनसुकिया, असम	**श्रीमती मधु रसीवासिया** मे. इंटेरियर कलेक्शन, माकुम रोड, तिनसुकिया, असम	**श्री महावीर बहेती** डाबरा चौक, जोरहाट, असम	**श्री महेश चमड़िया** मे. पी. एम. क्लाथ, मेन रोड, सोनारी, शिवसागर, असम	**श्री महेश कुमार सिओटिया** आधुनिक, ६१, स्टेडियम मार्केट, नंगांव, असम
श्री मांगीलाल बहेती तोदी हाउस, मेन रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री मनीष चमड़िया** शिव मंदिर के नजदीक, सोनारी, शिवसागर, असम	**श्री मनोज अग्रवाला (रुँगटा)** मे. दुर्गा टी फैक्ट्री, भोजो, सोनारी, शिवसागर, असम	**श्री मनोज बेंगवानी** मे. बेगवानी एजेंसी, मेन रोड, तेजपुर, सोनितपुर, असम	**श्री मनोज चमड़िया** मे. शंकर स्टोर, नामटोला रोड, सोनारी, शिवसागर, असम

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
Toll-free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com |
We are also available at: amazon | Flipkart | JioMart
SCAN & EXPLORE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 30th May, 2025
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com